वर्ष : 33 ▸ अंक : 250 ▸ पृष्ठ : 8 ▸ मुंबई, मंगलवार, 26 नवंबर 2024 ▸ RNI: MAHHIN/49994/91 ▸ मूल्य : 3 रुपए ▸ epaper.dobajedopahar.com ▸ संपादक : अरुण लाल

DBD
पत्रकारिता पावर नहीं रिस्पांसिबिलिटी है

मुंबई, नवी मुंबई, ठाणे, पालघर, रायगढ़, नासिक, पुणे से एक साथ प्रकाशित

दो बजे दोपहर

मुख्यमंत्री बनेंगे फडणवीस!

एकनाथ शिंदे और अजित पवार को बनाया जाएगा उपमुख्यमंत्री!

अमित बृज । मुंबई

महायुति को महाराष्ट्र विधानसभा के चुनाव में प्रचंड बहुमत मिलने के बाद सीएम का चुनाव मुश्किल टास्क हो गया है। महायुति गठबंधन में बीजेपी को 132 सीट मिलने के पीछे एक तरफ देवेंद्र फडणवीस की रणनीति को जिम्मेदार बताया जा रहा है वहीं एकनाथ शिंदे की लोक कल्याणकारी नीतियों का भी योगदान माना जा रहा है। समस्या यह है कि एक साथ महाराष्ट्र के दो मुख्यमंत्री बन नहीं सकते। किसी एक को तो डिप्टी सीएम बनना ही पड़ेगा। गठबंधन के एक महत्वपूर्ण सहयोगी अजित पवार ने मुख्यमंत्री पद के लिए देवेंद्र फडणवीस के नाम का समर्थन किया है। पर शिवसेना की ओर से लगातार बिहार मॉडल लागू करने की बात की जा रही है। शिवसेना के सांसदों और विधायकों ने एकनाथ शिंदे के लिए बैटिंग तेज कर दी है। पर देवेंद्र फडणवीस के जिस तरह आरएसएस और बीजेपी आलाकमान की नेचुरल चॉइस होने की जानकारी सामने आ रही है उससे उनके सीएम बनने की संभावना को बल मिल रहा है। वहीं भाजपा से जुड़े सूत्रों का दावा है मुख्यमंत्री पद के लिए देवेंद्र फडणवीस का नाम तय हो गया है। एकनाथ शिंदे और अजित पवार को उपमुख्यमंत्री बनाया जाएगा। सूत्रों के अनुसार, यह निर्णय भाजपा के शीर्ष नेतृत्व द्वारा लिया गया है, जिसे शिवसेना (शिंदे गुट) और अजित पवार की अगुवाई वाली राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) का समर्थन प्राप्त है।

विभागों और मंत्री पदों को लेकर सहमति

गठबंधन सहयोगियों के बीच विभागों और मंत्री पदों को लेकर सहमति बन चुकी है। भाजपा के पास 132 विधायक हैं और उसे 21 मंत्री पद मिलने की संभावना है। शिवसेना (शिंदे गुट) को 12 मंत्री पद और प्रमुख विभाग मिल सकते हैं। एनसीपी को 10 मंत्री पद मिलने की बात कही जा रही है। भाजपा गृह, वित्त, शहरी विकास, और राजस्व विभाग पर जोर दे रही है। हालांकि, गठबंधन सहयोगियों के साथ इन विभागों को साझा करने की संभावना भी बनी हुई है। मौजूदा मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और भाजपा के बीच लगातार बातचीत जारी थी। शिंदे गुट को प्रमुख विभागों के साथ मंत्री पद दिए जाएंगे। अजित पवार की एनसीपी को भी महत्वपूर्ण भूमिका मिलेगी।

आज होगी घोषणा

देवेंद्र फडणवीस दिल्ली में हैं। वे अमित शाह से मिले। आज मुख्यमंत्री के नाम का ऐलान हो सकता है। माना जा रहा है कि मंगलवार को एकनाथ शिंदे राज्यपाल से मिलकर इस्तीफा सौंप सकते हैं और मुख्यमंत्री के मुद्दे पर आखिरी फैसला होने तक कार्यवाहक सीएम के रूप में काम कर सकते हैं।

अजित पवार ने मुख्यमंत्री पद के लिए देवेंद्र फडणवीस के नाम का किया समर्थन

अलग-अलग फॉर्मूला भी तैयार

सूत्रों के अनुसार भाजपा में अन्य जिन फॉर्मूलों पर चर्चा हो रही है उनमें एक यह भी है कि शिंदे को केंद्र में लाकर उनके बेटे को उपमुख्यमंत्री बनाया जाए और पार्टी का ही मुख्यमंत्री बनाया जाए। दूसरी चर्चा यह है कि शिंदे को फिलहाल न हटाया जाए और बाद में बदलाव किया जाए। दरअसल भाजपा नेतृत्व इतनी बड़ी जीत के बाद भी भावी समीकरणों को ध्यान में रखते हुए जल्दबाजी में फैसला नहीं ले रहा है। क्योंकि शिंदे मराठा समुदाय से आते हैं, ऐसे में मराठा आरक्षण आंदोलन और अन्य परिस्थितियों में मराठा नेतृत्व का दावा काफी मजबूत है। वहीं, फडणवीस ब्राह्मण हैं। भाजपा में एक विचार ओबीसी नेतृत्व का भी है। इसके अलावा भाजपा आगामी बीएमसी चुनाव को भी ध्यान में रख रही है। वह ऐसा कोई फैसला नहीं लेना चाहती, जिससे कि इस बड़ी जीत के बाद उसको मुंबई में झटका लगे।

दायित्वनामा

'राकांपा के पुराने साथियों का पार्टी में स्वागत है'

डीबीडी के दफ्तर में राकांपा के मुख्य प्रवक्ता बृजमोहन श्रीवास्तव का साक्षात्कार लेते हुए संपादक अरुण लाल

महाराष्ट्र चुनाव में अभूतपूर्व विजय के बाद महायुति के हौसले बुलंद हैं। बीजेपी, शिवसेना के बीच मुख्यमंत्री पर बातचीत जारी है। राकांपा प्रमुख अजित दादा पवार ने देवेंद्र फडणवीस को समर्थन देते हुए, मुख्यमंत्री की अपनी दावेदारी से इंकार कर दिया है। ऐसे में राकांपा के मुख्य प्रवक्ता बृजमोहन श्रीवास्तव डीबीडी के दफ्तर में पधारे और अपनी जीत और नीति पर खुलकर जवाब दिया।

▸▸ आपकी इस अभूतपूर्व जीत पर लोग संदेह कर रहे हैं?

जनता का व्यापक समर्थन बताता है कि महाराष्ट्र की जनता मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, उप मुख्यमंत्री अजित दादा पवार और देवेंद्र फडणवीस पर पूरा भरोसा करती है। इसके साथ ही चुनाव परिणाम बताते हैं कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व गृहमंत्री अमित शाह के नेतृत्व को भी जनता ने स्वीकृति दी है।

▸▸ आपके हिसाब से इतनी बड़ी जीत कैसे मिली?

देखिए, मैं हमेशा से कहता रहा हूं कि लोकसभा के चुनावी परिणाम हम तीनों दलों के नेताओं व कार्यकर्ताओं को बहुत कुछ सिखा गए। हमें साफ पता चल गया कि यदि हम एकत्र होकर नहीं रहेंगे तो हमें सत्ता से बाहर बैठना होगा। हम सभी ने इस पर काम किया। किसी दल ने अपना अलग रास्ता नहीं बनाया। सभी महायुति के प्रचार में रहे। तीनों की शक्तियां मिलकर महाशक्ति बन गयी और यह अभूतपूर्व रिजल्ट आया।

▸▸ अजित पवार को लायबिलिटी कहा जा रहा था?

देखिए, ये कहने वाले वे लोग हैं, जो अजित दादा की कार्यशैली, उनकी लोकप्रियता से अपरिचित हैं। बिना जमीन पर जाए हवा में बात करने से कुछ नहीं होता, असली बात जनता तय करती है। जनता ने बता दिया है कि अजित दादा कितने लोकप्रिय हैं।

▸▸ क्या लाडली जैसी योजना को लंबे समय चलाया जा सकता है?

देखिए, यह कोई अचानक लाई गई योजना नहीं थी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्पष्ट कहा है कि कोई भी जनकल्याण योजना यूं ही घोषित न की जाए। उसका बाकायदा सर्वेक्षण किया जाए व बजट में प्रावधान करके ही योजना घोषित की जाए। लाडली योजना के लिए बाकायदा लंबी तैयारी की गई। इसके बाद इसका बजट में प्रावधान किया गया है। मैं समझता हूं कि महाराष्ट्र सक्षम है अपनी माताओं के कल्याण के लिए उन्हें सबल बनाने के लिए उनकी आर्थिक सहायता कर सकें।

▸▸ मुख्यमंत्री कौन?

मुझे लगता है कि सबसे बड़ी पार्टी के रूप में सामने आई बीजेपी का मुख्यमंत्री होना चाहिए। पर तीनों दलों के नेता एक साथ बैठकर यह तय करेंगे कि कौन मुख्यमंत्री होगा। मैं यह कहना चाहता हूं कि जो भी बनेगा वह महाराष्ट्र के लिए अथक मेहनत करेगा, वह महाराष्ट्र के विकास में भरपूर योगदान देगा।

▸▸ शरद पवार के लोगों को क्या कहना चाहेंगे?

यदि हमारा कोई पुराना साथी हमारे साथ जुड़कर महाराष्ट्र के विकास में योगदान देना चाहता है, तो हम अपने सभी पुराने साथियों का स्वागत करेंगे।

▸▸ अजित दादा उपमुख्यमंत्री बनेंगे?

मुझे लगता है ऐसा होना चाहिए और साथ-ही-साथ हम यह भी समझते हैं कि पिछली बार की तरह हमें 10 से 11 मंत्रिपद भी मिलेंगे।

Email : arunlal.y@gmail.com

विधायक दल के नेता चुने गए आदित्य ठाकरे

मुंबई। महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री आदित्य ठाकरे को सोमवार को मुंबई में पार्टी विधायकों की बैठक में शिवसेना (यूबीटी) विधायक दल का नेता चुना गया है। गौरतलब है कि पार्टी अध्यक्ष उद्धव ठाकरे के बेटे आदित्य ने हाल ही में हुए विधानसभा चुनावों में वर्ली निर्वाचन क्षेत्र से एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना के मिलिंद देवड़ा को 8,801 मतों से हराया था। पार्टी के वरिष्ठ नेता अंबादास दानवे ने पार्टी विधायकों की बैठक के बाद मीडिया को बताया कि पूर्व मंत्री भास्कर जाधव को राज्य विधानसभा में पार्टी समूह का नेता चुना गया, जबकि सुनील प्रभु को पार्टी का चीफ व्हिप नामित किया गया।

हंगामेदार रहा शीतकालीन सत्र का पहला दिन

अडानी , संभल मुद्दे पर विपक्ष का भारी हंगामा, नहीं चले दोनों सदन

एजेंसी । नई दिल्ली

संसद के शीतकालीन सत्र की सोमवार को हंगामेदार शुरुआत हुई। कांग्रेस के नेतृत्व में विपक्ष ने अडानी समूह के खिलाफ अमेरिकी अभियोजकों के रिश्वतखोरी के आरोपों तथा उत्तर प्रदेश के संभल में हुई हिंसा के मुद्दे को उठाने का प्रयास करते हुए हंगामा किया, जिसके कारण दोनों सदनों की कार्यवाही एक-एक बार के स्थगन के बाद पूरे दिन के लिए स्थगित कर दी गयी। विपक्ष के हंगामे के कारण दोनों ही सदनों में शून्यकाल एवं प्रश्नकाल नहीं हो पाए।

मुट्ठी भर लोग करते हैं हुड़दंगबाजी

सत्र की शुरुआत से पहले प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मीडिया से किए गए संवाद में सभी राजनीतिक दलों से सत्र के दौरान स्वस्थ चर्चा में भाग लेने का आह्वान किया और इसके परिणामोन्मुखी होने की उम्मीद भी जताई। उन्होंने कहा, "दुर्भाग्य से कुछ लोग अपने राजनीतिक स्वार्थ के लिए मुट्ठी भर लोग हुड़दंगबाजी से संसद को नियंत्रित करने का लगातार प्रयास कर रहे हैं। उनका अपना मकसद तो सफल नहीं होता, लेकिन देश की जनता उनके सारे व्यवहार को बारीकी से देखती है और जब समय आता है तो उन्हें सजा भी देती है।"

शिंदे की मुख्यमंत्री के रूप में वापसी के लिए प्रार्थना

ठाणे। शिवसेना प्रमुख एकनाथ शिंदे को दोबारा मुख्यमंत्री बनाने को लेकर पार्टी कार्यकर्ताओं ने ठाणे के मंदिरों में प्रार्थना सभाएं कीं। इसी क्रम कशिश पार्क इलाके में सिद्धि विनायक मंदिर में प्रार्थना की गई। इसमें शामिल महिलाओं ने दावा किया कि महायुति की जीत मुख्यमंत्री के जनता से जुड़ाव, उनकी सुलभता और लाडकी बहिन योजना के कारण हुई है। शिवसेना के पदाधिकारियों ने बताया कि दौलतनगर के साथ कई अन्य स्थानों पर भी पूजा की गई।

केंद्र ने उल्फा पर फिर बढ़ाया प्रतिबंध

एजेंसी । दिसपुर

केंद्र ने सोमवार को असम को भारत से अलग करने के उद्देश्य से काम करना जारी रखने और जबरन वसूली और हिंसा के लिए अन्य उग्रवादी समूहों के साथ संबंध बनाए रखने के लिए यूनाइटेड लिबरेशन फ्रंट ऑफ असम (उल्फा) पर प्रतिबंध पांच साल के लिए बढ़ा दिया। यूनाइटेड लिबरेशन फ्रंट ऑफ असम (उल्फा) को पहली बार 1990 में प्रतिबंधित संगठन घोषित किया गया था और तब से प्रतिबंध को समय-समय पर बढ़ाया जाता रहा है। एक अधिसूचना में, केंद्रीय गृह मंत्रालय ने कहा कि उल्फा, अपने सभी गुटों, शाखाओं और अग्रणी संगठनों के साथ, ऐसी गतिविधियों में शामिल रहा है जो भारत की संप्रभुता और अखंडता के लिए हानिकारक हैं। इसमें कहा गया है कि उल्फा ने असम को भारत से अलग करने के अपने उद्देश्य की घोषणा की है, अपने संगठन के लिए धन की धमकी और जबरन वसूली जारी रखी है, और जबरन वसूली और हिंसा के लिए अन्य उग्रवादी समूहों के साथ संबंध बनाए रखा है।

26/11 की बरसी : आतंकी हमले के 16 साल हुए पूरे

- ▸▸ अब भी राम भरोसे मुंबई की तटीय सुरक्षा
- ▸▸ समुद्र में सुरक्षा गश्त के लिए लाई गई 23 में से 14 स्पीड बोट बंद
- ▸▸ 10 करोड़ रुपए देखभाल खर्च बकाया होने से बोट फांक रही धूल

मुनीब चौरसिया । मुंबई

मुंबई आतंकी हमले को 16 साल हो गए हैं। 26 नवंबर 2008 को हुए इस हमले के बाद तटीय सुरक्षा को लेकर उस समय कई कदम उठाए गए थे। लेकिन मौजूदा समय में तटीय सुरक्षा को लेकर सवाल खड़े हो रहे हैं। समुद्र में निगरानी के लिए लाई गई 23 स्पीड बोट में से 14 बंद पड़ी हैं। इन स्पीड बोट को मरम्मत और रखरखाव की जरूरत है लेकिन इसके लिए जिम्मेदार ठेकेदार के 10 करोड़ रुपए बकाया हैं। जिसके कारण सिर्फ नौ बोट से निगरानी का कार्य चल रहा है।

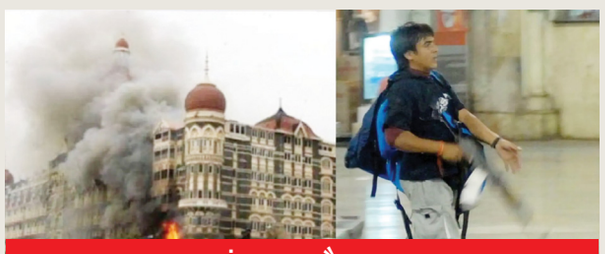

कहां अटका है मामला

सूत्रों के अनुसार मार्च 2024 से स्पीड बोटबंद पड़ी हुई हैं। इसकादबाव मुंबई की सागरी सुरक्षा में तैनात पुलिस कर्मियों पर पड़ रहा है। हालांकि मुंबई में संबंधित विभागों द्वारा भुगतान करने को लेकर मंजूरी दे दी गई है, लेकिन यह प्रक्रिया पुणे में आईजी मोटर ट्रांसपोर्ट कार्यालय में अटकी हुई है। लिहाजा मरम्मत और रखरखाव की कमी के कारण बंद स्पीड बोट तिरपाल में लिपटी मझगांव के लकड़ीबंदर में पड़ी हैं।

कहां अटका है मामला

सूत्रों के अनुसार मार्च 2024 से स्पीड बोटबंद पड़ी हुई हैं। इसकादबाव मुंबई की सागरी सुरक्षा में तैनात पुलिस कर्मियों पर पड़ रहा है। हालांकि मुंबई में संबंधित विभागों द्वारा भुगतान करने को लेकर मंजूरी दे दी गई है, लेकिन यह प्रक्रिया पुणे में आईजी मोटर ट्रांसपोर्ट कार्यालय में अटकी हुई है। लिहाजा मरम्मत और रखरखाव की कमी के कारण बंद स्पीड बोट तिरपाल में लिपटी मझगांव के लकड़ीबंदर में पड़ी हैं।

114 किमी की समुद्री सुरक्षा का दारोमदार

114 किमी की समुद्री सुरक्षा का दारोमदार : महाराष्ट्र का समुद्र तट 720 किलोमीटर तक फैला है, जिसमें से 114 किलोमीटर की सुरक्षा का दारोमदार मुंबई पुलिस के अधिकार क्षेत्र में आता है। इस क्षेत्र में तटीय गश्त का प्रबंधन मुंबई पुलिस के डीसीपी मोटर ट्रांसपोर्ट-2 द्वारा किया जाता है। सूत्रों के मुताबिक मुंबई पुलिस ने 26/11 के आतंकवादी हमलों के तीन साल बाद 46नाव हासिल की थीं। जिसमें से पानी और जमीन पर चलने वाली 19 उभयचर नाव, 4 पानी वाली नाव और 23स्पीड बोट(नाव) शामिल हैं। लेकिन 19 उभयचर नाव और 4 समुद्री नाव कुछ साल पहले रखरखाव की कमी के कारण बंद पड़ गईं। जबकि 23 स्पीड बोट में से भुगतान न किए जाने के कारण केवल 9 स्पीड बोट सेवा में हैं।

क्या कहते हैं अधिकारी?

मोटर परिवहन विभाग के डीसीपी निंबा पाटील ने बताया कि स्पीड बोट के आधुनिकीकरण के लिए 14 करोड़ रुपए की निधि को मंजूरी देने का प्रस्ताव 25 सितंबर को प्राप्त हुआ था। हालांकि नावों के रखरखाव की बकाया रकम पर उन्होंने कुछ भी बोलने से मना कर दिया। डीसीपी पाटील ने बताया कि हम बीएआरसी से लेकर गोराई बीच तक निगरानी कर रहे हैं। वैसेमुंबई में 118 लैंडिंग पॉइंट हैं,जिनकी निगरानी यलो गेट पुलिस करती है। इनमें से कुछ महत्वपूर्ण लैंडिंग पॉइंट पर सीसीटीवी कैमरे भी लगाए गए हैं। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने तटीय सुरक्षा योजना के तहत महाराष्ट्र के लिए अतिरिक्त 12 तटीय पुलिस स्टेशन, 32 चेक पोस्ट, 24 बैरक, 28 इंटरसेप्टर नौकाएं, 25 जीप और 57 मोटरसाइकिलें स्वीकृत की हैं, लेकिन इसे धरातल पर लाने में अभी समय लगेगा।

DBD दो बजे दोपहर
पत्रकारिता पावर नहीं रिस्पांसिबिलिटी है

न्यूज ब्रीफ

महाराष्ट्र चुनाव में हार के बाद उद्धव के घर 'मातोश्री' के बाहर लगे पोस्टर

मुंबई। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में महाविकास अघाड़ी को मिली पराजय के बाद शिवसेना (यूबीटी) के अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे के घर 'मातोश्री' के बाहर पोस्टर लगे हैं। इस पोस्टर ने प्रदेश में राजनीतिक हलचल तेज कर दी है। इस पोस्टर में लिखा है कि लड़ते लड़ते भले ही में हारा हूं, लेकिन हारने का मुझे दुख नहीं है।।। ये लड़ाई मेरे महाराष्ट्र के लिए है। लड़ाई का कोई अंत नहीं। महाराष्ट्र धर्म की रक्षा के लिए मैं फिर उठूंगा और फिर लडूंगा !....जय महाराष्ट्र।

तीन साल की बच्ची के साथ दुष्कर्म

मुंबई। देश के अलग-अलग हिस्सों से लड़कियों, महिलाओं और बच्चियों के साथ बात्कार के आये दिन मामले सामने आते रहते हैं। अब ताजा मामला देश की आर्थिक राजधानी मुंबई से सामने आया है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, मुंबई के एंटॉप हिल इलाके में एक तीन साल की बच्ची के साथ दुष्कर्म का मामला सामने आया है। आरोपी ने बच्ची को सुनसान जगह पर ले जाकर दुष्कर्म की वारदात को अंजाम दिया है। बच्ची को नाजुक हालत में इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जानकारी के अनुसार, मुंबई की एंटॉप हिल पुलिस ने आरोपी को हिरासत में ले लिया है और उससे पुछताछ की जा रही है। पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक, आरोपी बच्ची को एक सुनसान जगह ले गया और उसके साथ दुष्कर्म किया। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

कैदी को फरलो में देरी के लिए जेल प्रशासन को फटकार

मुंबई। बॉम्बे हाई कोर्ट ने पुणे के येरवडा जेल प्रशासन को एक कैदी को फरलो (छुट्टी) देने में देरी के लिए फटकार लगाई। अदालत ने जेल प्रशासन को 31 दिसंबर से पहले उसे फरलो देने पर निर्णय लेने और राज्य सरकार द्वारा कैदियों को फरलो और पैरोल देने के लिए दिए गाइडलाइन का पालन का आदेश दिया। न्यायमूर्ति भारती डांगरे और न्यायमूर्ति मंजूषा देशपांडे की पीठ के समक्ष कैदी स्टिव उर्फ लिस्बन जॉन मिरांडा की दायर याचिका पर सुनवाई हुई। पीठ ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा जारी अधिसूचना के मद्देनजर फरलो या पैरोल छुट्टी के लिए आवेदन पर निर्णय लेने वाले अधिकारियों के लिए 45 दिनों की अवधि के भीतर निर्णय लेना अनिवार्य है। इसलिए हम जेल अधिकारियों से फरलो के अनुदान के लिए आवेदन पर निर्णय लेने के लिए सख्त हैं। पीठ ने कहा कि हमने देखा है कि वर्ष 2022 में कैदी के आवेदन पर लगभग तीन महीने बीत जाने के बाद निर्णय लिया गया और उसके बाद उसे कैलेंडर वर्ष के अंत में यानी 30 दिसंबर 2022 को रिहा किया गया और उसकी छुट्टी अनिवार्य रूप से कैलेंडर वर्ष 2023 में गई और जिसके लिए वह बिल्कुल भी जिम्मेदार नहीं है। पीठ ने कहा कि याचिकाकर्ता ने जून 2023 में आवेदन किया था, लेकिन उस पर चार महीने बाद यानी 27 अक्टूबर 2023 को निर्णय लिया गया। इसके लिए याचिकाकर्ता दोष नहीं है।

आईपीएस रश्मि शुक्ला और देवेंद्र फडणवीस की मुलाकात पर विवाद

कांग्रेस ने लगाए गंभीर आरोप

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के दौरान विवादों में रही राज्य की पूर्व डीजीपी रश्मि शुक्ला एक बार फिर से विवाद में फंसती नजर आ रही हैं। चुनाव नतीजों के दिन उपमुख्यमंत्री से कथित तौर पर मुलाकात को लेकर कांग्रेस ने सवाल खड़े किए है, और रश्मि शुक्ला पर कार्रवाई करने की मांग की है।

आदर्श आचार संहिता का कथित उल्लंघन

कांग्रेस ने सोमवार को निर्वाचन आयोग से मांग की कि आईपीएस अधिकारी रश्मि शुक्ला के खिलाफ महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के दौरान उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से मुलाकात कर आदर्श आचार संहिता का कथित उल्लंघन करने के लिए कार्रवाई की जाए। कांग्रेस के मुख्य प्रवक्ता अतुल लोंढे ने दावा किया कि शुक्ला ने राज्य के गृह मंत्री फडणवीस से उस समय मुलाकात की, जब आदर्श आचार संहिता लागू थी। आईपीएस अधिकारी रश्मि शुक्ला ने कथित तौर पर जिस दिन महाराष्ट्र चुनाव की मतगणना हो रही थी उस दिन यानी 23 नवंबर की शाम को बीजेपी नेता और राज्य के उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से उनके आधिकारिक आवास पर मुलाकात की थी।

चुनाव के बीच डीजीपी पद से हटाया गया

इस महीने की शुरुआत में, निर्वाचन आयोग ने कांग्रेस समेत अन्य राजनीतिक दलों की शिकायतों के बाद महाराष्ट्र सरकार को पुलिस महानिदेशक रश्मि शुक्ला का तत्काल प्रभाव से तबादला करने का निर्देश दिया था। साथ ही महाराष्ट्र के मुख्य सचिव को शुक्ला का प्रभार कैडर के अगले सबसे वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी को सौंपने का निर्देश दिया।

विपक्षी नेताओं के फोन टैप करने का आरोप

कांग्रेस नेता अतुल लोंढे ने कहा कि रश्मि शुक्ला पर विपक्षी नेताओं के फोन टैप करने सहित कई गंभीर आरोप हैं। कांग्रेस ने चुनाव के दौरान उन्हें डीजीपी के पद से हटाने की मांग की थी और उन्हें हटा दिया गया था। उन्होंने कहा कि हालांकि, विधानसभा चुनाव के नतीजे घोषित हो चुके हैं, लेकिन जब वह राज्य के गृह मंत्री से मिलीं, तब आदर्श आचार संहिता लागू थी और यह एक स्पष्ट उल्लंघन है।

कांग्रेस ने लगाया आचार संहिता के उल्लंघन का आरोप

कांग्रेस प्रवक्ता अतुल लोंढे ने पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि "रश्मि शुक्ला ने राज्य के गृह मंत्री से तब मुलाकात की जब आचार संहिता लागू थी, जो स्पष्ट रूप से इसका उल्लंघन है। चुनाव आयोग को इस मामले पर गंभीरता से ध्यान देना चाहिए और उनके खिलाफ तुरंत कार्रवाई करनी चाहिए।" उन्होंने तेलंगाना में इसी तरह की एक घटना का हवाला देते हुए कहा कि तेलंगाना में एक डीजीपी और एक वरिष्ठ अधिकारी ने चुनाव के दौरान एक मंत्री से मुलाकात की थी और चुनाव आयोग ने उनके खिलाफ तुरंत कार्रवाई की थी। कांग्रेस प्रवक्ता ने आरोप लगाते हुए कहा कि निर्वाचन आयोग गैर-भाजपा शासित राज्यों में कार्रवाई करने में क्यों तेज है, लेकिन भाजपा शासित राज्यों में इस तरह के उल्लंघनों के प्रति आंखें मूंदे प्रतीत क्यों होता है। यह गंभीर सवाल खड़े करता है।

एकनाथ शिंदे चुने गए शिवसेना गुट के नेता

विधायक दल की बैठक में फैसला

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव 2024 के नतीजे आने के बाद आज मुंबई के एक होटल में शिवसेना शिंदे गुट के विधायकों की बैठक हुई। इस बैठक में मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे भी शामिल हुए थे। बैठक में चार प्रस्ताव पारित किए गए। सबसे महत्वपूर्ण प्रस्ताव यह था कि एकनाथ शिंदे को समूह का नेता नियुक्त करने का सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया। मंत्री उदय सामंत ने शिंदे को समूह का नेता नियुक्त करने के लिए एक प्रस्ताव पेश किया। प्रस्ताव सर्वसम्मति से पारित कर दिया।

'न भूतो न भविष्यति' वाली जीत

बैठक में पास एक प्रस्ताव में कहा गया है कि यह कोई संयोग नहीं है कि 27 महीने पहले शुरू हुआ महाराष्ट्र में एक संकल्प भारी जीत में बदल गया। पूरा महाराष्ट्र अनेक खट्टे-मीठे अनुभवों को पीछे छोड़ते हुए, आज एक नए युग की शुरुआत कर रहा है। हाल ही में संपन्न विधानसभा चुनावों में, पार्टी के प्रमुख नेता एकनाथ शिंदे के कुशल नेतृत्व में महायुति ने 'न भूतो न भविष्यति' जीत हासिल की। महागठबंधन जीत की आवाज लंबे समय तक गूंजती रहेगी। वहीं, एक अन्य प्रस्ताव में कहा गया है कि अपमान, अभिशाप, झूठे आरोप सब अब पीछे छूट गए हैं। आज सभी को लग रहा है कि हमारी शिवसेना का स्वर्ण युग शुरू हो गया है।

विपक्ष को ईवीएम पर नहीं, अपने दिमाग पर सवाल उठाना चाहिए: रामदास आठवले

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

महाराष्ट्र में मुख्यमंत्री चेहरा, मंत्रिमंडल के विस्तार और विपक्ष के ईवीएम पर सवाल को लेकर रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया (आठवले) के अध्यक्ष एवं केंद्र में सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्री रामदास आठवले ने सोमवार को कहा कि उनको ऐसा नहीं करना चाहिए। उनको अपने दिमाग और गलतियों पर सवाल उठाना चाहिए। ईवीएम कभी खराब नहीं होती है। उन्होंने आगे कहा कि जब लोकसभा में उनकी इतनी सीटें आईं, तो ईवीएम पर सवाल नहीं उठाया था। केंद्रीय मंत्री रामदास आठवले ने कहा कि महाराष्ट्र में कैबिनेट का विस्तार आगामी दो-तीन दिनों में हो सकता है। अभी तक मुख्यमंत्री के नाम पर सहमति नहीं बनी है। लेकिन, बहुत जल्द ही मुख्यमंत्री पद का निर्णय हो जाएगा। मंत्रिमंडल के विस्तार में रिपब्लिकन पार्टी को एक मंत्री पद मिलेगा। महाराष्ट्र में मुख्यमंत्री पद से जुड़े सवाल पर उन्होंने कहा कि देवेंद्र फडणवीस ने कहा है कि जल्द मुख्यमंत्री पद का चेहरा तय हो जाएगा। मुझे लगता है कि मुख्यमंत्री पद के लिए देवेंद्र फडणवीस के नाम पर ही सहमति बनेगी, क्योंकि भारतीय जनता पार्टी के पास 132 सीटें हैं। अजित पवार ने भी 41 सीटों का समर्थन देवेंद्र फडणवीस के नाम को दे दिया है। इसको लेकर एकनाथ शिंदे से बातचीत होनी बाकी है। उन्होंने कहा कि मुझे लगता है कि एकनाथ शिंदे को केंद्रीय मंत्रिमंडल में शामिल करके भी सम्मान करना चाहिए। वहीं, शिवसेना को कोई दूसरा नेता महाराष्ट्र का उपमुख्यमंत्री हो सकता है। शिवसेना ने भी 57 सीटों पर जीत दर्ज की है।

मासुंदा तालाब में अज्ञात व्यक्ति का मिला शव

धर्मेंद्र उपाध्याय । ठाणे

शहर स्थित बाबा फालूदा के सामने नौका विहार के सामने मासुंदा तालाब में एक 60 वर्षीय मृतक व्यक्ति का शव तालाब में लाश पानी में तैरते हुए दिखाई दी। इसकी जानकारी जवाहर बाग अग्निशमन विभाग को मिलते ही तुरंत अग्निशमन विभाग ने इसकी जानकारी नौपाडा पुलिस व मनपा आपत्ति विभाग दिया।घटना की जानकारी मिलने पर तत्काल नौपाडा पुलिस व आपत्ति और अग्निशमन विभाग घटना स्थल पर पहुच कर तालाब के भीतर से शव को बाहर निकाल कर पुलिस के हवाले कर दिया। नौपाडा पुलिस ने शव को जिला सिविल अस्पताल में भेज दिया। शव के विषय में जानकारी के लिए बातचीत के दौरान नौपाडा पुलिस स्टेशन के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक अभय महाजन ने बताया कि मृतक शव का शिनाख्त नहीं हुआ है।वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक ने कहा कि शव के शिनाख्त के लिए पेपर में एडवरटाइज व नोटिस के बाद ही शव का अंतिम संस्कार किया जाएगा इसके लिए लगभग एक महीना लगता है। इस घटना की जानकारी आपत्ति विभाग के मुख्य अधिकारी याशीन तड़वी ने दिया।

स्कूल बस ने महिला को कुचला, हुई मौत

डीबीडी संवाददाता । भिवंडी

भिवंडी के गैबीनगर में आज दोपहर रोड क्रास कर रही एक महिला की स्कूल बस के कुचलने से मौत हो गई है। पुलिस ने बस चालक को गिरफ्तार कर शव को पोस्टमार्टम हेतु आईजीएम अस्पताल भेज दिया है।

कैसे हुआ हादसा ?

पुलिस के अनुसार, दोपहर 2 बजे नूरानी मस्जिद स्थित गुलजार नगर निवासी 63 वर्षीय महिला जुबैदा गुलशन पैदल अपने घर जा रही थी और जैसे ही महिला ताज होटल के पास पहुंची तभी अचानक एक स्कूल बस नंबर एमएच-43-एक-1610 ने महिला को कुचल दिया। इस हादसे में महिला की मौके पर ही मौत हो गई। जानकारी मिलते ही घटना स्थल पर पहुंची शांतिनगर पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम हेतु भिवंडी के इंदिरा गांधी मेमोरियल अस्पताल भेज दिया, और बस चालक इरफान हैदर अफसर हुसेन जयदी 41 वर्ष को गिरफ्तार कर लिया है। मृतक महिला के बेटे अलीम गुलशेर खान की शिकायत पर उक्त आरोपी के खिलाफ पुलिस ने बीएनएस की धारा व मोटर वाहन एक्ट की कलम के तहत मामला दर्ज कर लिया है। यह जानकार शांतिनगर पुलिस स्टेशन के वरिष्ट पुलिस निरीक्षक विनायक गायकवाड ने दी है।

गैबीनगर रोड पर अतिक्रमण बन रहा हादसे का कारण

बता दें कि गैबी नगर में रोजाना कई स्कूलों की बसों का आवागमन होता है। वहीं कचेरी पाड़ा रोड पर फ्रूट मार्केट दुकानदारों ने इस कदर अतिक्रमण कर रखा है कि सुबह स्कूल जाने वाले छात्रों का समय पर स्कूल पहुंचना मुश्किल हो गया है। शिकायत के बावजूद प्रशासन द्वारा उक्त दुकानदारों के विरुद्ध कोई कार्रवाई नहीं की जाती है। हादसे के दौरान वहां मौजूद स्थानिकों ने कहा कि जकात नाका से शांतिनगर जाने वाली इस मुख्य सड़क के दोनों बाजू छोटे बड़े वाहन खड़े रहते है। इसके अलावा गैबीनगर रोड पर दुकानदारों द्वारा अवैध रूप से अतिक्रमण किया गया है। यहां पैदल चलने वाले फुटपाथ पर भी दुकानदार अपना कब्जा जमाए हुए है। स्थानिकों का आरोप है कि दुकान के सामने लगने वाले ठेला गाड़ियों से दुकानदार भाड़ा भी वसूलते है। उक्त रोड पर फैले अतिक्रमण के विरुद्ध कार्रवाई करने हेतु प्रशासन उदासीन बना हुआ है। इसके कारण यह हादसा हुआ है।

वकील के खिलाफ दर्ज दुराचार का मामला रद्द

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

बॉम्बे हाई कोर्ट ने एक वकील के खिलाफ दर्ज दुराचार के मामले को रद्द कर दिया। अदालत ने माना कि याचिकाकर्ता और शिकायतकर्ता महिला वयस्क होने के कारण सहमति से रिश्ते बनाए। बाद में उनमें कुछ बातों को लेकर विवाद हुआ और उन्होंने एक-दूसरे के खिलाफ आपराधिक मामले दायर करा दी। न्यायमूर्ति भारती डांगरे और न्यायमूर्ति मंजूषा देशपांडे की पीठ के समक्ष आरोपी वकील की याचिका पर सुनवाई हुई। पीठ ने पाया कि शिकायतकर्ता (पीड़िता) ने अपने पति के साथ विवाह के दौरान याचिकाकर्ता (वकील) के साथ रहने भी गई थी। जब आरोपी और पीड़िता के बीच कुछ विवाद हुआ, तो उसने आईपीसी की धारा 375 (बलात्कार) के तहत आरोप लगाते हुए शिकायत दर्ज कराई। पीठ ने कहा कि आरोपी वकीलों की दलीलों पर विचार करने, एफआईआर और रिकॉर्ड में रखे गए दस्तावेजों को देखने के बाद हमें याचिका में उठाए गए आधारों में दम नजर आता है। एफआईआर और आरोप-पत्र को पढ़ने से यह पता नहीं चलता कि पीड़िता ने अपनी शिकायत में धारा 376(2)(एन) तथा धारा 504 और 506 के आरोप लगाए हैं। पीठ ने कहा कि यदि इस मामले में आपराधिक प्रक्रियाओं को जारी रखने की अनुमति दी जाती है, तो इससे दोषसिद्धि होने की संभावना नहीं है। इसलिए यदि ऐसी कार्यवाही जारी रखने की अनुमति दी जाती है, तो यह कानून की प्रक्रिया का दुरुपयोग होगा। इसलिए न्याय के उद्देश्यों को सुरक्षित करने के लिए पुणे अलंकार पुलिस स्टेशन में आईपीसी की धारा 376(2)(एन), 504 और 506 के तहत दर्ज आपराधिक मामले को रद्द किया जाता है। याचिकाकर्ता के वकील सत्यव्रत जोशी ने दलील दी कि शिकातकर्ता अपने पति और एक बच्चे के साथ संयुक्त राज्य अमेरिका में रह रही थी। वह अपने पति के साथ अनबन के कारण बेटे के साथ भारत लौट आयी।

पशु गणना की हुई शुरुआत

डीबीडी संवाददाता । ठाणे।

पशु गणना की शुरुआत आज से शुरू हुआ और यह 28 फरवरी तक यह मुहिम चलेगा।तीन हजार परिवार के पीछे 1प्रगणक को नियुक्ति किया गया।पशु गणना होने पर पशुओं को दी जाने वाले निधी उपलब्ध कराने में सुविधा होगा।पशु विभाग की ओर से हर पांच साल बाद पशु गणना किया जाता है।यह जन गणना पहले साल 2019 में हुआ था।इस बार के जनगणना में 2 साल देर हुआ। पशुओं की जनगणना के लिए प्रगणक को प्रशिक्षण दिया गया है।पशुओं के पर्यवेक्षक पद के लिए डिप्लोमा कोर्स किया है उनको इस पद पर नियुक्त किया जायेगा।

2019 में ठाणे जिले में पशुधन जनगणना के आँकड़े

गाय और बैल: 80 हजार 532
भैंस :95 हजार 415
बकरी और भेड़: 63 हजार 334

मवेशी, भैंस, बकरी-,भेड़, घोड़ा, सूअर की गिनती

इस अभियान में मवेशी, भैंस, बकरी-,भेड़, घोड़ा, सूअर की गिनती की जायेगी। पशुधन जनगणना से पशुओं की सही संख्या का पता चलता है इसके लिए सरकार के नीतियों और योजनाओं की योजना बनाई जाती है। धन की उपलब्धता पशु चिकित्सालय के दायरे में पशुधन की संख्या से निर्धारित होती है और उसी के अनुरूप टीकाकरण के लिए दवाओं की आपूर्ति की जाती है इसलिए पशुपालन विभाग के पशुपालन उपायुक्त वल्लभ जोशी व जिला परिषद के पशुपालन अधिकारी डॉ समीर तोडणकर ने पशुपालकों से अपने पशुओं के बारे में वास्तविक जानकारी देने के लिए आवाहन किया है।ठाणे जिले में ग्रामीण क्षेत्रों के लिए कुल 72 प्रगणक और 14 पर्यवेक्षक नियुक्त किया गया है और शहरी क्षेत्रों के लिए 389 प्रगणक और 47 पर्यवेक्षक नियुक्त है।

'दैवीय शक्ति काम कर रही'

महाराष्ट्र में महायुति की जीत पर बोले शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

मुंबईः महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में महायुति ने शानदार प्रदर्शन किया है। बीजेपी गठबंधन की इस जीत पर शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद ने कहा है कि लोगों को चुनावी नतीजों का पहले से आभास इसलिए नहीं हुआ, क्योंकि वहां पर दैवीय शक्ति काम कर रही थी। उन्होंने गाय को राजमाता का दर्जा देने के लिए मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की जमकर प्रशंसा की। साथ ही, यूपी उपचुनाव के नतीजों पर कहा कि जब कोई सामान्य पार्टी 9-7 से जीतती तो अलग बात थी, लेकिन चैंपियन (बीजेपी) ने इस तरह का प्रदर्शन किया जो अच्छा नहीं है। यहां पर 9-0 होना चाहिए था।

'हम लोगों को इसका आभास था'

विपक्षी दलों द्वारा महाराष्ट्र के चुनाव में गड़बड़ी के आरोपों पर शंकराचार्य ने कहा कि इसको प्रमाण देकर ही कहा जा सकता है। अगर गड़बड़ी होगी तो प्रमाण देकर बाद में वहां पर चुनाव निरस्त भी हो जाएंगे, लेकिन कहने के लिए तो जो हारता है, वह कहता ही है। मूल बात यह है कि चुनावी पंडित कुछ दिन पहले तक कह रहे थे कि महाराष्ट्र में जो सरकार है, उसकी हालत खराब होगी। लोकसभा चुनाव में भी परिणाम इसी तरह के आए। उन्होंने कहा, "ज्यादा से ज्यादा खींचतान में यह कहा जाता था कि बराबरी का मुकाबला हो सकता है, लेकिन जब परिणाम आया तो आजतक के इतिहास में किसी पार्टी व गठबंधन की इतनी बड़ी जीत नहीं हुई, जो अब हो गई। यह इसलिए लोगों को नहीं पता चला, क्योंकि यहां पर दैवीय शक्ति काम कर रही थी और जब दैवीय शक्ति काम करती है तो मनुष्य उसका आकलन नहीं कर पाता है।" स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद ने कहा कि हम लोगों को इसका आभास था और इसीलिए इतिहास में पहली बार किसी पार्टी के लिए हमने कहा कि जनता को चाहिए कि उसे वोट दे और आर्शीवाद दे। हम दैवीय शक्ति का अनुभव कर रहे थे कि यह आशीर्वाद एकनाथ शिंदे को मिल गया। उस व्यक्ति (सीएम शिंदे) ने धारा के वितरीत जाकर वह काम किया, जो अब तक कोई नेता नहीं करपाया था। गौमाता को पशु सूची से हटाकर राजमाता का दर्जा दिया। उसी समय लगा था कि इस व्यक्ति को गौमाता का आशीर्वाद मिलेगा। जैसे-जैसे चुनाव आता गया, दृढ़ता से यह बात समझ आने लगी। हमें बहुत प्रसन्नता है कि गौमाता ने अपने बेटे एकनाथ शिंदे को इस तरह का आशीर्वाद दिया।

'वोट जिहाद' वाले मौलाना सज्जाद नोमानी ने मांगी माफी

डीबीडी संवाददाता । मुंबई/लखनऊ

महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में भाजपा गठबंधन वाली महायुति ऐतिहासिक जीत के साथ सरकार बनाने जा रही है। अकेले भाजपा को 132 सीट मिली। चुनाव में ₹वोट जिहाद₹ के मुद्दे ने खूब चर्चा बटोरी। मौलाना सज्जाद नोमानी ने भाजपा का समर्थन करने वाले मुसलमानों का मजाक उड़ाते हुए उन्हें अपना नाम धनश्याम रखने की सलाह दी थी। अब चुनाव नतीजों के बाद नोमानी ने बिना शर्त माफी मांगी है। उन्होंने सोशल मीडिया पर जारी पत्र में कहा कि उनका मकसद किसी समुदाय विशेष को निशाना बनाना या फतवा जारी करना नहीं था।

जारी किया था विवादित फतवा

लखनऊ के रहने वाले और मुस्लिम समुदाय में अपना खासा प्रभाव रखने वाले मौलाना सज्जाद नोमानी ने महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के दौरान विवादित फतवा जारी किया था। उन्होंने कहा कि भाजपा का समर्थन करने वाले मुसलमानों को इस्लाम के दायरे से बाहर किया जाना चाहिए। वीडियो में नोमानी ने कथित तौर पर भाजपा का समर्थन करने वाले मुस्लिमों का मजाक उड़ाते हुए कहा कि उन्हें अपना नाम बदलकर 'घनश्याम' रख लेना चाहिए, जो समुदाय से उनके बहिष्कार का संकेत है।

अब मांग रहे माफी

अब चुनाव नतीजों के बाद नोमानी का एक पत्र सामने आया है। जिसमें उन्होंने उस विवादित बयान पर माफी मांगी है। पत्र के माध्यम से उनका कहना है कि कि भाजपा का समर्थन करने वाले मुसलमानों के बहिष्कार के बारे में टिप्पणी कई लोगों द्वारा पूछे गए सवालों के जवाब में की गई थी कि लोगों को लोकसभा चुनाव में वोट देने के उनके मौलिक अधिकार से वंचित किया जा रहा है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि उनके शब्द उन व्यक्तियों के लिए थे, न कि व्यापक मुस्लिम समुदाय के लिए। नोमानी ने आगे कहा, ₹मेरा बयान महाराष्ट्र चुनाव से बहुत पहले सितंबर 2024 में दिया गया था और इसे चुनाव के संदर्भ में नहीं देखा जाना चाहिए। इसका कभी भी किसी समुदाय पर हमला करने का इरादा नहीं था, न ही इसका कोई फतवा जारी करना था। अपने पत्र में नोमानी ने बिना शर्त माफ़ी भी मांगी है। उन्होंने कहा, ₹अगर मेरे बयान से किसी की भावनाओं को ठेस पहुंची है, तो मैं अपने शब्द वापस लेता हूं और बिना शर्त माफ़ी मांगता हूं। मैंने हमेशा सच्चाई और न्याय के लिए लड़ाई लड़ी है और आम आदमी को नुकसान पहुंचाने वाले किसी भी व्यक्ति का विरोध किया है, चाहे वे मुस्लिम हों या कोई और।

बीएमडब्ल्यू हिट एंड रन मामला

आरोपी मिहिर को हाईकोर्ट से बड़ा झटका

अवैध गिरफ्तारी के आधार पर रिहाई से किया इनकार

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

मुंबई का बीएमडब्ल्यू हिट एंड रन मामला पिछले कुछ महीने काफी सुर्खियों में रहा। इस मामले के मुख्य आरोपी मिहिर शाह को बॉम्बे हाईकोर्ट से बड़ा झटका लगा है। अदालत ने शाह को अवैध गिरफ्तारी के आधार पर रिहा करने से इनकार कर दिया। दरअसल, पूर्व शिवसेना नेता के 24 वर्षीय बेटे शाह और उसके कार चालक राजर्षि बिदावत ने हाईकोर्ट में याचिका दायर कर दावा किया था कि उन्हें अवैध रूप से हिरासत में लिया गया है और उन्होंने तत्काल रिहाई का अनुरोध किया था।

क्या है मामला?

तेज रफ्तार बीएमडब्ल्यू कार ने मुंबई के वर्ली इलाके में नौ जुलाई को कावेरी नखवा नामक महिला को कुचल दिया था। कार ने महिला को करीब दो किलोमीटर तक घसीटा था। इस हादसे में उनके पति प्रदीप नखवा भी घायल हो गए थे। दुर्घटना के बाद, मिहिर दो दिनों से अधिक समय तक लापता था। वह उसी बीएमडब्ल्यू कार से बांद्रा के कला नगर इलाके में गया था। दुर्घटना के समय कार में मौजूद शाह के वाहन चालक बिदावत को घटना के दिन गिरफ्तार किया गया था। मामले में खुलासा हुआ था कि घटना के बाद मिहिर ने अपने पिता राजेश शाह को फोन किया था और घटना के बारे में बताया था। इसके बाद, राजेश ने अपने बेटे को शहर छोड़ने की सलाह दी थी और उससे कहा था कि राजरिशी दुर्घटना की जिम्मेदारी ले लेगा। अपने पिता से बातचीत के बाद मिहिर इधर-उधर छिपने लगा था। हालांकि, पुलिस ने घटना के दो दिन बाद उसे गिरफ्तार कर लिया था।

अब क्या दे रहे दलील?

आरोपियों ने दलील दी कि पुलिस ने उनकी गिरफ्तारी के समय उन्हें गिरफ्तार किए जाने के आधार के बारे में नहीं बताया था और उनका दावा है कि यह कानून का उल्लंघन है। हालांकि, न्यायमूर्ति भारती डांगरे और न्यायमूर्ति मंजूषा देशपांडे की खंडपीठ ने सोमवार को याचिकाओं को खारिज कर दिया। दोनों आरोपियों ने अपनी रिहाई का अनुरोध करते हुए दावा किया था कि उन्हें और हिरासत में रखना संवैधानिक आदेश और दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 50 का उल्लंघन होगा। बता दें, इस धारा के तहत, पुलिस को किसी व्यक्ति को गिरफ्तार करते समय उसे उस अपराध के बारे में पूरी जानकारी देनी होती है जिसके लिए उसे गिरफ्तार किया जा रहा है या यह बताना होता है कि उसकी गिरफ्तारी के लिए अन्य आधार क्या हैं।

अगस्त में दायर की थी बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका

हाईकोर्ट में अगस्त में दायर बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिकाओं में शाह और बिदावत ने दावा किया था कि उनकी गिरफ्तारी गैरकानूनी है और उन्हें तुरंत रिहा किया जाना चाहिए। शाह ने अपनी याचिका में पहले उसे पुलिस हिरासत और फिर न्यायिक हिरासत में भेजने के एक स्थानीय अदालत के आदेश को रद्द करने का अनुरोध किया। उसने अपनी गिरफ्तारी को अवैध घोषित किए जाने का अनुरोध किया था।

लाडली बहन योजना के लिए काम करनेवाली आंगनवाड़ी सेविकाओं को मानधन का इंतजार

मुंबई। विधानसभा चुनाव में लाडली बहनों के मतों से भाजपा, शिवसेना (शिंदे), राकांपा (अजित) की महायुति एक बार फिर से राज्य की सत्ता में लौटी है। लेकिन इस योजना के लिए काम करनेवाली आंगनवाड़ी सेविकाओं और उनकी सहायकों को बीते दो महीनों से मानधन नहीं मिला है। इसके चलते अब यह आंगनवाड़ी सेविकाएं सरकार से सवाल कर रही हैं कि कब वे सरकार की लाडली बनेंगी और कब उन्हें उनका मानधन मिलेगा। आंगनवाड़ी कर्मचारी संगठन की कार्यकारी अध्यक्ष संगीता कांबले ने बताया कि मुंबई सहित राज्य में लगभग दो लाख आंगनवाड़ी सेविका और सहायकों ने जमीनी स्तर तक लाडली बहन योजना के लिए चौबीसों घंटे काम किया। सरकार ने इस योजना का ऑनलाइन आवेदन पत्र भरने पर आंगनवाड़ी सेविका, सहायकों को प्रति लाभार्थी 50 रुपए देने की घोषणा की है। सरकार ने लाडली बहन योजना के लाभार्थियों को 5 महीने तक 1500 रुपए प्रति माह दिए हैं, लेकिन इस योजना के तहत काम करने वाली आंगनवाड़ी सेविकाओं को कार्य का मानधन नहीं मिल रहा है।

सरकार के साथ पत्राचार

विधानसभा चुनाव की आचार संहिता लगने से पहले ही इस योजना का काम अस्थाई रूप से बंद कर दिया गया। आंगनवाड़ी सेविका संगठन ने पहले ही सरकार से पत्राचार कर बताया था कि राज्य की आंगनवाड़ी सेविकाओं को इस कार्य का मानधन अभी तक नहीं मिला है। संगीता कांबले ने अब नई सरकार से मांग की है कि आंगनवाड़ी सेविकाओं को बकाया मानधन का भुगतान जल्द करें।

नामांकन वापस लेने वालों की बल्ले बल्ले !

विधान परिषद से हो सकती है सदन में एंट्री

मुंबई। महाराष्ट्र में विधानसभा चुनाव नतीजों में सत्तारूढ़ महायुति को शानदार जीत मिली है। इस चुनाव में बीजेपी ने 132 सीटें जीती हैं। एकनाथ शिंदे की शिवसेना को 57 सीटें और अजित पवार की राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी को 41 सीटें मिलीं। महायुति ने इस चुनाव में कई दिग्गजों को टिकट दिया था। इसमें कुछ ऐसे नेता भी शामिल हैं, जो विधान परिषद में विधायक तो हैं ही, उन्होंने अब विधानसभा चुनाव भी जीत लिया है। विधानसभा चुनाव में जीतने वाले ऐसे ही विधायकों के कारण विधान परिषद की 6 सीटें खाली हो गई है। चुनाव में जीत के बाद विधायकों की संख्या के आधार पर यह महायुति के लिए फायदेमंद साबित होगा। महायुति के घटक दलों को इन सीटों के जरिए अपने 6 नाराज नेताओं को खुश करने मौका मिल जाएगा। हाल ही में हुए विधानसभा चुनाव में बीजेपी ने विधान परिषद के 4 सदस्यों को विधानसभा में उताया हैं। इनमें चंद्रशेखर बावनकुले, गोपीचंद पडलकर, रमेश कराड और प्रवीण दटके का नाम शामिल हैं। इन सभी को विधानसभा चुनाव में जीत मिली है। इसलिए विधान परिषद में बीजेपी की 4 सीटें खाली हो गई हैं।

शिंदे-अजित पवार की एक-एक सीट खाली है

इसी तरह मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की शिवसेना के विधान परिषद के सदस्य अमश्या पडवी भी विधानसभा का चुनाव जीत गए हैं। इसलिए विधान परिषद में एक सीट शिंदे गुट की भी खाली हो गई है। तो वहीं महायुति में शामिल अजित पवार की राष्ट्रवादी कांग्रेस पाटिल के विधान परिषद के विधायक राजेश विटेकर भी विधानसभा चुनाव जीत गए हैं। ऐसे में अजित पवार गुट के लिए भी विधान परिषद में एक सीट खाली हो गई है।

नामांकन वापस लेने वालों को मिलेगा इनाम

बता दें कि वर्धा जिले की आर्वी की सीट से टिकट नहीं मिलने के कारण भाजपा विधायक दादाराव केचे ने नामांकन दाखिल कर दिया था लेकिन केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के साथ चर्चा के बाद केचे ने नामांकन वापस ले लिया था। सूत्रों ने दावा किया था कि केचे को विधान परिषद सदस्य बनाने का आश्वासन दिया गया है। ऐसे ही कई और नेता है जिन्होंने बगावत के बाद अपना नामांकन वापस ले लिया था।

'मेरी सभा हुई होती तो हार जाते तुम...'

हारते-हारते बचे भतीजे की अजित पवार ने ले ली चुटकी

मुंबई/कराड। महाराष्ट्र में चुनावी जंग समाप्त होने के साथ ही नेताओं के बीच कड़वाहट की जगह अब हल्की-फुल्की चुटकियों और आपसी शिष्टाचार का दौर शुरू हो गया है। इसी तरह का माहौल सोमवार को कराड में देखने को मिला। वहां पर एनसीपी प्रमुख अजित पवार अपने भतीजे और एनसीपी (एसपी) के नेता रोहित पवार से पूछ बैठे कि मैंने तुम्हारी सीट पर चुनाव प्रचार किया होता तो क्या होता।

अजित मेरे लिए पितातुल्य: रोहित

अजित ने रोहित से यह भी कहा कि तुम बाल-बाल बच गए। शरद पवार के पौत्र रोहित ने भाजपा के राम शिंदे को 1,243 मतों के मामूली अंतर से हराकर अहिल्यानगर जिले में कर्जत जामखेड सीट बरकरार रखी है। सोमवार को रोहित और अजित का आमना- सामना राज्य के पहले मुख्यमंत्री वाईबी चव्हाण की पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि समारोह के दौरान हुआ। चुटकी के बाद अजित ने भतीजे को बधाई दी और कहा कि आओ, मेरा आशीर्वाद लो। इसके बाद रोहित ने उनके पैर छुए। रोहित ने बाद में संवाददाताओं से कहा कि मतभेदों के बावजूद अजित उनके लिए पितातुल्य हैं।

राउत ने ईवीएम में गड़बड़ी का किया दावा

महाराष्ट्र में दोबारा चुनाव कराने की मांग

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में विपक्षी गठबंधन महा विकास अघाड़ी की हार के बाद शिवसेना (यूबीटी) के सांसद संजय राउत ने एक बार ईवीएम पर सवाल उठाया है। उन्होंने गड़बड़ी का आरोप लगाते हुए चुनाव की निष्पक्षता पर सवाल उठाया है। साथ ही संजय राउत ने राज्य में फिर से चुनाव कराने की मांग कर दी। शिवसेना (यूबीटी) के नेता एवं सांसद संजय राउत ने सोमवार को 'इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन' (EVM) में गड़बड़ियों का आरोप लगाते हुए महाराष्ट्र में मतपत्रों के जरिए दोबारा चुनाव कराए जाने की मांग की। राउत ने पत्रकारों से बात करते हुए आरोप लगाया कि ईवीएम में गड़बड़ी की कई शिकायतें मिली हैं और उन्होंने हाल में हुए चुनावों की निष्पक्षता पर सवाल उठाया। भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व वाले महायुति गठबंधन ने विधानसभा चुनाव में 288 में से 230 सीट जीतीं जबकि विपक्षी महा विकास अघाड़ी को 46 सीट पर जीत मिली। एमवीए में शामिल शिवसेना (यूबीटी) ने 95 सीट पर चुनाव लड़कर मात्र 20 सीट जीतीं।

ईवीएम को लेकर 450 शिकायतें मिली

सांसद संजय राउत ने कहा कि "ईवीएम को लेकर हमें करीब 450 शिकायतें मिलीं। बार-बार आपत्ति जताए जाने के बावजूद इन मामलों पर कोई कार्रवाई नहीं की गई। हम कैसे कह सकते हैं कि ये चुनाव निष्पक्ष तरीके से हुए? इसलिए मेरी मांग है कि नतीजों को रद्द किया जाए और दोबारा चुनाव मत पत्रों के जरिए कराए जाएं।" उन्होंने कुछ उदाहरणों का हवाला देते हुए कहा कि नासिक में एक उम्मीदवार को कथित तौर पर केवल चार वोट मिले, जबकि उसके परिवार के 65 वोट थे। उन्होंने कहा कि डोंबिवली में ईवीएम की गिनती में विसंगतियां पाई गईं और चुनाव अधिकारियों ने आपत्तियों को स्वीकार करने से इनकार कर दिया।

शरद पवार जैसे नेता ने ईवीएम पर संदेह व्यक्त किया

शिवसेना (यूबीटी) नेता ने कुछ उम्मीदवारों की भारी जीत की विश्वसनीयता पर भी सवाल उठाते हुए कहा कि "उन्होंने ऐसा कौन सा क्रांतिकारी काम किया जो उन्हें 1.5 लाख से अधिक वोट मिले? यहां तक कि हाल में पार्टी बदलने वाले नेता भी विधायक बन गए। इससे संदेह पैदा होता है। पहली बार शरद पवार जैसे वरिष्ठ नेता ने ईवीएम पर संदेह व्यक्त किया है जिसे नजरअंदाज नहीं किया जा सकता।" चुनावों में एमवीए के खराब प्रदर्शन के बारे में पूछे जाने पर राउत ने किसी एक को जिम्मेदार ठहराने के विचार को खारिज कर दिया। उन्होंने कहा कि हमने एकजुट एमवीए के रूप में चुनाव लड़ा। यहां तक कि शरद पवार जैसे नेता, जिनका महाराष्ट्र में बहुत सम्मान है, उन्हें भी हार का सामना करना पड़ा। इससे पता चलता है कि हमें विफलता के पीछे के कारणों का विश्लेषण करने की आवश्यकता है।

MVA की हार के बाद नाना पटोले ने खरगे से की मुलाकात

इस्तीफा देने की चर्चा को बताया अफवाह

मुंबई। महाराष्ट्र में महाविकास अघाड़ी की हार के बाद कांग्रेस के प्रदेश प्रमुख नाना पटोले ने सोमवार को दिल्ली में राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने पार्टी से इस्तीफा देने की चर्चा को अफवाह करार दिया। नाना पटोले ने कहा कि हार के लिए सामूहिक जवाबदेही तय होनी चाहिए। सोमवार सुबह खबर सामने आई थी कि विधानसभा चुनाव में हार के बाद नाना पटोले ने महाराष्ट्र कांग्रेस अध्यक्ष पद से इस्तीफा दे दिया है। इस्तीफे की चर्चा पर पटोले ने कहा कि ये सब अफवाहें हैं और इनमें कोई सच्चाई नहीं है। यह सामूहिक जवाबदेही है। मैं एक-दो दिन में राहुल गांधी से मिलूंगा और सभी मुद्दों पर चर्चा करूंगा। लोकतंत्र खत्म हो रहा है। हमने इस पर चर्चा की है। इस्तीफे की कोई बात नहीं हुई।

'नतीजे लोगों की भावनाओं को नहीं दर्शाते'

राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे से मुलाकात के बाद नाना पटोले ने कहा कि विधानसभा चुनाव के नतीजे लोगों की भावनाओं को नहीं दर्शाते हैं। चुनाव में मल्लिकार्जुन खरगे, राहुल गांधी, प्रियंका गांधी समेत अन्य राष्ट्रीय और राज्य के नेता महा विकास अघाड़ी (एमवीए) का नेतृत्व कर रहे थे। हमें यकीन था कि रुझान महाविकास अघाड़ी के पक्ष में रहेंगे। लोगों का भी यही मानना था। उन्होंने कहा कि नांदेड़ में लोकसभा उपचुनाव और विधानसभा चुनाव एक ही दिन हुए। लोकसभा उपचुनाव में हमारे उम्मीदवार छह विधानसभा सीटों पर जीत रहे थे, जबकि विधानसभा चुनाव में हम एक भी सीट नहीं जीत सके। इतना बड़ा अंतर नहीं हो सकता।

तेज रफ्तार कार ने ली 2 छात्रों की जान

मुंबई। मुंबई के वेस्टर्न एक्सप्रेसवे पर सोमवार को भीषण कार हादसा हुआ है। विलेपार्ले में वेस्टर्न एक्सप्रेसवे पर एक तेज रफ्तार कार दुर्घटना का शिकार हो गई। इस हादसे में कॉलेज के दो छात्रों की मौत हो गई। जबकि दो अन्य छात्र घायल हुए है। इस हादसे में मृत युवकों की पहचान जलज धीर (18) और सार्थक कौशिक (18) के रूप में हुई है। कार में सवार अन्य दो युवक साहिल मेंढ़ा (18) व एक अन्य युवक गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। बताया जा रहा है कि घायलों को नजदीकी अस्पताल

में भर्ती कराया गया है, जहां दोनों का इलाज चल रहा है। पुलिस ने घटनास्थल पर पहुंचकर जांच शुरू कर दी है। मिली जानकारी के अनुसार दुर्घटना के समय कार की स्पीड 120 से 150 किमी प्रति घंटा थी। कार चालक के नियंत्रण खोने की वजह से यह हादसा हुआ।

डिवाइडर से टकराई कार

कहा जा रहा है कि कथित तौर पर शराब पीकर गाड़ी चलाने के कारण वेस्टर्न एक्सप्रेसवे पर बड़ा हादसा हो गया। अधिकारी ने बताया कि हादसा सुबह लगभग 4.30 बजे विले पार्ले में वेस्टर्न एक्सप्रेस हाईवे पर हुआ। तेज रफ्तार कार सड़क के डिवाइडर से टकरा गई। इस हादसे में 18 वर्षीय दो छात्रों की मौत हो गई। पीड़ित बांद्रा से गोरेगांव जा रहे थे।

शराब नहीं पी थी: आरोपी

पुलिस ने कहा कि आगे की सीट पर बैठे 18 साल के दो दोस्त जेडन जिमी और साहिल मेंडा घायल हुए बैठे थे। हादसे के समय साहिल मेंडा कार चला रहा था। पुलिस ने साहिल को गिरफ्तार कर लिया है। अधिकारी बताया कि हादसे के समय कार चला रहे आरोपी ने दावा किया है कि उसने शराब नहीं पी थी। हालांकि आरोपी के खून के सैम्पल जांच के लिए भेजा गया। गिरफ्तार आरोपी साहिल ने दावा किया है कि एक्सप्रेसवे से जाना है या विलेपार्ले सर्विस रोड पर मुड़ना है, इसको बात को लेकर भ्रम के कारण हादसा हुआ। पुलिस ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है।

निर्दलीय विधायक का भाजपा को समर्थन

मुंबई। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में विजयी निर्दलीय विधायक शिवाजी पाटिल ने निवर्तमान उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से मुलाकात की और सत्तारूढ़ भाजपा को बिना शर्त समर्थन की घोषणा की। पाटिल कोल्हापुर जिले की चांदगढ़ सीट से भाजपा के टिकट पर चुनाव लड़ने के इच्छुक थे। हालांकि, महायुति सहयोगियों के बीच सीट बंटवारे के तहत एनसीपी ने चांदगढ़ से अपना उम्मीदवार खड़ा कर दिया, जिसे पाटिल ने हरा दिया। इसी तरह मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के खिलाफ मैदान में उतरे निर्दलीय उम्मीदवार मनोज शिंदे रविवार को उन्हीं की शिवसेना में शामिल हो गए। मनोज ने कांग्रेस से बगावत कर चुनाव लड़ा था।

बेपटरी हो सकती है मनसे से 'रेल इंजन'

महाराष्ट्र में करारी हार के बाद राज ठाकरे को लगा बड़ा झटका

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

महाराष्ट्र में मनसे की इस बार कड़ी हार हुई है। महाराष्ट्र में हाल ही में संपन्न हुए विधानसभा चुनाव में एक भी सीट न जीत पाने और निराशाजनक प्रदर्शन के बाद महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) पर मान्यता प्राप्त राजनीतिक दल का दर्जा और पार्टी का चुनाव चिन्ह 'रेल इंजन' छीन जाने का खतरा मंडरा रहा है।

राज ठाकरे के नेतृत्व वाली महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना ने 125 सीट पर महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के लिए अपने उम्मीदवार खड़े किए थे, लेकिन एक भी उम्मीदवार जीत दर्ज नहीं कर सका। इन हारे हुए उम्मीदवारों में राज ठाकरे के बेटे अमित ठाकरे भी नाम शामिल हैं। महाराष्ट्र विधानसभा के पूर्व सचिव अनंत कलसे ने पत्रकारों के साथ की गई बातचीत में निर्वाचन आयोग की कार्यप्रणाली के बारे में बताया।

रद्द हो सकती है मान्यता

उन्होंने बताया कि भारत में किसी भी राजनीतिक दल को अपनी मान्यता एवं उसको मिले चुनाव चिन्ह को बरकरार रखने के लिए मानदंड तय किए गए हैं। कलसे ने बताया, ''किसी भी पार्टी को अपनी मान्यता बनाए रखने के लिए कम से कम एक सीट जीतनी होगी और कुल मत प्रतिशत का आठ प्रतिशत प्राप्त करना होगा या छह प्रतिशत वोट के साथ दो सीटें जीतनी होंगी या तीन प्रतिशत वोट के साथ तीन सीटें जीतनी होंगी। यदि दल इन तीनों ही मानदंडों में से एक भी पूरा नहीं कर पाता है तो निर्वाचन आयोग पार्टी की मान्यता रद्द कर सकता है।"

मनसे को केवल 1.8 प्रतिशत वोट ही प्राप्त हुए तथा वह एक भी सीट नहीं जीत पाई। यह आवश्यक मानदंडों से काफी कम है।

छिन जाएगा रेलवे इंजन का अधिकार

कलसे ने बताया कि अगर मनसे की मान्यता रद्द कर दी जाती है तो वह अपने आरक्षित चुनाव चिन्ह 'रेलवे इंजन' के हकदार नहीं रहेगी और इसके बजाय पार्टी को अगले चुनाव के लिए उपलब्ध अनारक्षित चुनाव चिन्ह चुनना होगा। उन्होंने बताया कि पार्टी के नाम पर कोई असर नहीं पड़ेगा। महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना ने साल 2009 में चुनावी राजनीति में कदम रखा था। 2009 से ऐसा पहली बार हुआ है जब वह विधानसभा चुनाव में एक भी सीट में जीत दर्ज नहीं कर पाई। 2009 में पहली बार चुनाव लड़ने पर इसने 13 सीटें जीती थीं। 2014 और 2019 के विधानसभा चुनाव में पार्टी के पास एक-एक विधायक थे। पार्टी के खराब प्रदर्शन के बाद राज ठाकरे ने सोशल मीडिया पर एक छोटा बयान जारी कर नतीजों को ''अविश्वसनीय" बताया।

पश्चिम रेलवे

मरम्मत कार्य

मंडल रेल प्रबंधक (डब्ल्यूए), पश्चिम रेलवे, छठी मंजिल, इंजीनियरिंग विभाग, मुंबई सेंट्रल, मुंबई- 400 008. आमंत्रित करता है **निविदा सूचना संख्या: बीसीटी/24-25/213 दिनांक 21.11.2024. कार्य और स्थान:** चर्चगेट से मुंबई सेंट्रल: रेलवे रनिंग ट्रैक के पास पुरानी जीर्ण-शीर्ण बाउंड्री वॉल और गिरने की स्थिति की मरम्मत. **कार्य की अनुमानित लागत:** 1,57,42,480.33/- **ईएमडी:** 2,28,700.00/- **जमा करने की तिथि और समय:** 17.12.2024, 15.00 बजे तक. **खुलने की तिथि और समय:** 17.12.2024 को 15.30 बजे.अधिक जानकारी के लिए कृपया हमारी वेबसाइट www.ireps.gov.in पर जाएं. 0766

हमें लाइक करें : facebook.com/WesternRly

पश्चिम रेलवे

दूरसंचार संवर्धन एवं सुधार कार्य

मंडल रेल प्रबंधक (एस एंड टी), मुंबई सेंट्रल, मुंबई- 400 008. आमंत्रित करता है **निविदा सूचना संख्या: WR-MMCT-SnT-STTD-17-2024.** दिनांक 22.11.2024 को **कार्य का नाम:** मुंबई मंडल, पश्चिम रेलवे के दूरसंचार संवर्धन एवं सुधार कार्य.**कार्य की लागत:** 39677046.24/- **बोली सुरक्षा:** 348400.00/- **ई-निविदा दस्तावेज जमा करने के लिए बंद होने की तिथि एवं समय:** 16.12.2024, 15.00 बजे तक. **ई-निविदा खोलने की तिथि एवं समय:** 16.12.2024 को 15.30 बजे.अधिक जानकारी के लिए कृपया हमारी वेबसाइट www.ireps.gov.in पर जाएं 0769

हमें लाइक करें : facebook.com/WesternRly

DBD दो बजे दोपहर

पत्रकारिता पावर नहीं रिस्पांसिबिलिटी है

संपादकीय

संपादकीय

जनादेश का संदेश

पहली नजर में महाराष्ट्र व झारखंड के विधानसभा चुनाव परिणामों का निष्कर्ष यह है कि राज्यों की जनता ने सत्तारूढ़ गठबंधनों में ही विश्वास जताया है। हालांकि, दोनों राज्यों के मुद्दे व राजनीतिक परिदृश्य एक दूसरे से भिन्न हैं, लेकिन महाराष्ट्र में भाजपा नेतृत्व वाले महायुति गठबंधन की अप्रत्याशित जीत ने सबको चौंकाया है। इतनी बड़ी कामयाबी की उम्मीद शायद भाजपा गठबंधन को भी नहीं रही होगी। वहीं दूसरी ओर भले ही झारखंड में झामुमो के नेतृत्व वाले गठबंधन ने सत्ता बरकरार रखी हो, मगर महाराष्ट्र की महाविजय झारखंड के मुकाबले अधिक महत्वपूर्ण है, जिसके गहरे निहितार्थ हैं। ऐसा लगा कि भाजपा ने कुशल संगठन और रणनीति के बूते जीतने की आदत विकसित कर ली है। महाराष्ट्र में ऐसी शानदार जीत की कल्पना राजनीति के चाणक्य कहे जाने वाले शरद पवार व उद्धव ठाकरे के होते हुए शायद ही किसी ने की हो। दरअसल, छह माह से कम समय पहले महा विकास अघाड़ी, जिसमें कांग्रेस, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी और शिवसेना के उद्धव ठाकरे धड़े ने लोकसभा चुनाव में भाजपा व उसके सहयोगियों को पछाड़ दिया था। ऐसे में विधानसभा चुनाव में गठबंधन की उम्मीदें बढ़ गई थीं। लेकिन अति आत्मविश्वास और दलों में फूट के कारण गठबंधन ने निराशाजनक प्रदर्शन किया। कांग्रेस भी हरियाणा में मिले झटके से कोई सबक नहीं सीख पायी। इसके विपरीत, महायुति ने मतदाताओं को लुभाने के लिये हर संभव प्रयास किया। खासकर महिला केंद्रित लाड़ली बहन योजना जैसी कल्याणकारी योजनाओं ने अद्भुत काम किया। वैसे महाराष्ट्र में महायुति गठबंधन को ध्रवीकरण का भी खासा लाभ मिला। उनकी सफलता में इसके अलावा शिवसेना व राकांपा में विभाजन का लाभ भी भाजपा को मिला। लेकिन वर्ष 2019 के विधानसभा चुनाव परिणामों में गठबंधन द्वारा पूर्ण बहुमत मिलने के बाद जैसी अराजकता व अनिश्चितता पैदा हुई, उम्मीद की जानी चाहिए कि फिर वैसे हालात पैदा नहीं होंगे। यह सुनिश्चित करना जरूरी है कि विजयी गठबंधन सरकार का गठन सुचारु रूप से करे। वहीं दूसरी ओर महाराष्ट्र में भाजपा गठबंधन के जो मुद्दे चले, वे झारखंड में निष्प्रभावी रहे। हेमंत सोरेन झारखंड की जनता को विश्वास दिलाने में कामयाब रहे कि वे आदिवासी हितैषी हैं। 'एक हैं तो सेफ हैं' का नारा तथा घुसपैठियों का मुद्दा झारखंड के लोगों को रास नहीं आया। कहीं न कहीं प्रवर्तन निदेशालय द्वारा कथित भ्रष्टाचार के आरोप में हेमंत सोरेन के खिलाफ हुई कार्रवाई उनके लिये सहानुभूति जगाने की वजह बनी। वहीं महिलाओं के खातों में गई एकमुश्त रकम ने उन्हें बड़ा संबल दिया। महिला कल्याण केंद्रित योजनाओं के चलते महिला वोटर महाराष्ट्र और झारखंड में निर्णायक साबित हुए। लेकिन दोनों राज्यों के चुनाव परिणाम कांग्रेस के लिये बड़ा झटका हैं। एक ओर जहां वह झारखंड में झामुमो के कनिष्ठ सहयोगी के रूप में सरकार का हिस्सा रहेगी, वहीं महाराष्ट्र में हुई हार ने उसे इंडिया गठबंधन में बड़ी भूमिका निभाने की स्थिति को कमजोर किया है। आशा है भविष्य की रणनीति बनाने में उसके लिये महाराष्ट्र के सबक मददगार साबित होंगे।

विकसित देशों की जवाबदेही सुनिश्चित हो

ग्लोबल वार्मिंग के कारण उत्पन्न असाधारण परिस्थितियां गंभीर चुनौती बन चुकी हैं, जिसके समाधान हेतु वैश्विक स्तर पर चर्चा की आवश्यकता है। इस संदर्भ में, दुनियाभर के देश बाकू में आयोजित कॉप-29 सम्मेलन में एकत्रित हुए, जहां इन समस्याओं से निपटने के उपायों पर विचार किया गया। हालांकि, सम्मेलन के पहले सप्ताह के बाद भारत ने यह स्पष्ट किया कि यह समस्या विशेष रूप से विकासशील देशों के लिए भारी संकट बन गई है, और इस दिशा में कोई महत्वपूर्ण प्रगति नहीं हुई है।

समस्या स्पष्ट है कि औद्योगिक विकास और आधुनिकीकरण के कारण उत्पन्न प्रदूषण यानी कार्बन व हरित गैसों का उत्सर्जन और ग्लोबल वार्मिंग के चलते पर्यावरण में भयंकर परिवर्तन हो रहे हैं। यह समस्या केवल ग्लोबल साउथ (विकासशील देश) के लिए ही नहीं, बल्कि पूरी दुनिया के लिए गंभीर संकट बन चुकी है। हालांकि, कुछ वैश्विक उत्तर (विकसित देश) के देश यह मानते हैं कि पर्यावरणीय संकट की जिम्मेदारी सिर्फ विकासशील देशों पर है, और उन्हें ही इसका समाधान करना चाहिए। निस्संदेह, यह गलत सोच है। अब इस समस्या को गंभीरता से स्वीकार करने और समाधान की दिशा में प्रयासों की आवश्यकता है।

भारत ने कार्बन और हरित गैसों के उत्सर्जन को निम्न स्तर पर लाने का संकल्प लिया है, लेकिन वित्तीय संसाधनों और तकनीकी मदद के अभाव में जलवायु परिवर्तन से निपटना बेहद कठिन हो रहा है। ग्लेशियरों का असमय पिघलना, बाढ़ और अनिश्चित मानसून के कारण कृषि संकट में पड़ गई है। कॉप-29 सम्मेलन से यह उम्मीद थी कि दुनिया के सभी प्रमुख देश मिलकर इस समस्या का समाधान ढूंढ़ेंगे, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। सम्पन्न देशों के नेताओं ने सम्मेलन में भाग नहीं लिया, और न ही भारत सहित अन्य देशों ने मिलकर प्रभावी रणनीति बनाई। इसके बजाय, केवल एक-दूसरे पर आरोप-प्रत्यारोप का दौर चलता रहा।

बाकू में कॉप-29 शिखर सम्मेलन किसी महत्वपूर्ण सफलता के बिना समाप्त हो गया, जहां विकसित और विकासशील देशों के बीच गहरे मतभेद सामने आए। इस समय जलवायु परिवर्तन के प्रभावों से निपटने के लिए वित्तीय संसाधनों की आवश्यकता है, ताकि आर्थिक गतिविधियां सुचारु रहें और ग्लोबल वार्मिंग के खिलाफ न्यायसंगत कदम उठाए जा सकें। मांग हुई है कि संपन्न देशों को 1.3 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर अनुदान और रियायती वित्त सहायता के रूप में देना चाहिए,

सुरेश सेठ

लेकिन वास्तविकता यह है कि अब तक जितना भी वित्त पोषण हुआ है, वह अधिकतर ऋण के रूप में विकासशील देशों को दिया गया है, जिससे उनकी राजनीतिक और आर्थिक स्थिरता पर संकट उत्पन्न हो रहा है। जलवायु परिवर्तन के प्रभावों के कारण विकासशील देशों की आर्थिक स्थिति कमजोर हो रही है।

भारत में जलवायु परिवर्तन के प्रभावों ने मौसम के पैटर्न को अप्रत्याशित बना दिया है।

किसानों के लिए मानसून अब अनिश्चित हो चुका है। इस स्थिति में कृषि की प्रगति नहीं, बल्कि उसका संकट बढ़ता जा रहा है। भारत और अन्य दक्षिणी देशों को जलवायु परिवर्तन के सबसे भयानक प्रभावों का सामना करना पड़ रहा है।

संपन्न देश यह तर्क देते हैं कि कार्बन उत्सर्जन और ग्लोबल वार्मिंग के मुख्य जिम्मेदार उभरते हुए विकासशील देश हैं, और इसलिए इन्हें ही इस संकट का सामना करना चाहिए। उनका कहना है कि उनका औद्योगिक विकास और प्रौद्योगिकी अब बदल चुकी है, और वे कृत्रिम मेधा और इंटरनेट का सर्वाधिक उपयोग कर रहे हैं, जिससे कार्बन उत्सर्जन कम हो गया है।

इस स्थिति में जलवायु परिवर्तन से निपटने की प्रक्रिया केवल भाषणों तक सीमित रह गई है, और असल कार्रवाई होती दिखाई नहीं देती। भारत ने विकसित देशों से निराशा व्यक्त करते हुए कहा कि जब तक वे वित्तीय और प्रौद्योगिकी सहायता नहीं देते, तब तक यह प्रयास सार्थक नहीं हो पाएगा। भारत ने यह भी सवाल उठाया कि विकसित देशों के पास पर्याप्त संसाधन और क्षमता होने के बावजूद वे इस वैश्विक समस्या को गंभीरता से क्यों नहीं स्वीकारते।

भारत और अन्य विकासशील देशों को जलवायु परिवर्तन के भयावह प्रभावों का सामना करना पड़ रहा है, जबकि इन देशों की अपनी क्षमताएं इस संकट से निपटने के लिए सीमित हैं।

यह स्पष्ट है कि वैश्विक समस्याओं का समाधान विकसित और विकासशील देशों को मिलकर ही करना होगा, क्योंकि इस संकट का असर अंततः सभी देशों की आर्थिक स्थिति पर पड़ेगा। भारत ने जी-77 देशों के सम्मेलन में भी संपन्न देशों से वित्तीय प्रतिबद्धताओं पर जवाबदेही की मांग की है। यह सवाल भी उठाया कि कार्बन उत्सर्जन के नियंत्रण की तिथियों को आगे बढ़ाने से क्या हासिल होगा, जब आर्थिक असंतुलन पहले ही सभी देशों के सामने आ चुका है।

जीवन मंत्र — सद्गुरु जग्गी वासुदेव

अपनी जिम्मेदारी कबूलना

जिंदगी की दौड़ में जब भी जीत मिले, आप दावा करते हैं कि इसका श्रेय मुझे मिलना चाहिए। यही न? अब मैं आपसे यही सवाल करता हूं कि आपकी इच्छा के अनुसार काम नहीं हुआ, तो उसकी भी जिम्मेदारी लेने के लिए क्या आप तैयार हैं?

एक डॉक्टर ने डिग्री हासिल कर अभी-अभी सेवा शुरू की थी। लोगों की भलाई ही उनका ध्येय था। उनके पास कुछ लोग एक ऐसा रोगी लेकर आए, जिसकी हालत इतनी नाजुक थी कि दो मिनट की देरी से प्राण जोखिम में पड़ जाते। ऐसी हालत के रोगी को इस नए डॉक्टर के पास ले आए। डॉक्टर ने सावधानीपूर्वक जांच-पड़ताल कर रोग का निदान ढूंढ़ लिया और उसका आवश्यक इलाज किया। दो दिन में रोगी उठकर बैठ गया। हफ्ते भरे में उठकर चलने लग गया। डॉक्टर ने तीमारदार से कहा, 'जब आप लोग इन्हें मेरे पास

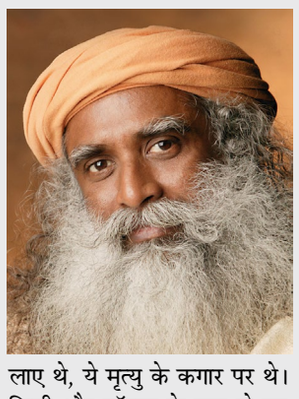

लाए थे, ये मृत्यु के कगार पर थे। किसी और डॉक्टर के पास ले गए होते, तो यह जरूर मर गए होते। मैंने इन्हें प्राण दिए हैं।'अगले दिन उनके पास कोई और रोगी लाया गया। उसकी हालत भी उसी तरह चिंताजनक थी। दो मिनट के विलंब से जान खतरे में पड़ जाती। डॉक्टर ने ध्यानपूर्वक बीमारी का अध्ययन किया और उचित इलाज भी किया। लेकिन रोगी का देहांत हो गया। अब डॉक्टर क्या कहते? क्या यह कि 'देखा न, कितने अद्भुत ढंग से उसे ऊपर भेज दिया!' या फिर यह कहते कि 'ईश्वर की मर्जी यही थी।' अगर काम मनमाफिक पूरा हो जाए, तो उसका श्रेय ले लेंगे और नतीजा उल्टा निकल जाए, तो कहेंगे, 'इसके लिए मैं जिम्मेदार नहीं।' जिंदगी की दौड़ में जब भी जीत मिले, आप दावा करते हैं कि इसका श्रेय मुझे मिलना चाहिए। यही न? अब मैं आपसे यही सवाल करता हूं कि आपकी इच्छा के अनुसार काम नहीं हुआ, तो उसकी भी जिम्मेदारी लेने के लिए क्या आप तैयार हैं? जब आप यह महसूस करेंगे कि काम की असफलता के लिए आप जिम्मेदार हैं, तभी से सफलतापूर्वक कार्य संपन्न कराने के तरीकों में आप क्षमता अर्जित कर सकेंगे। अब यदि अपनी क्षमता के लिए आप जिम्मेदार हैं, तो क्षमता में कमी के लिए जिम्मेदार कौन है? आप ही न? आप ऐसी इच्छा तो करते हैं कि कल मुझे फलां की तरह होना चाहिए, मेरी जिंदगी इस रूप में बदलनी चाहिए। यदि आप मौजूदा स्थिति के लिए स्वयं को जिम्मेदार न मानेंगे, तो कल क्या बनना चाहिए, इस कल्पना को कैसे रूप दे सकते हैं?

आज मैं जो और जैसा भी हूं, इसके लिए मैं ही पूरी तरह से जिम्मेदार हूं, यह सोचने की ईमानदारी आने पर ही कल कैसा होना चाहिए, इसका सपना देखने का अधिकार आपको है। अब सच-सच बोलिए। इस समय आपके जीवन का परिवेश अच्छा, बुरा कैसा भी हो, क्या आप उसके लिए पूर्ण रूप से जिम्मेदार हैं?

शख्सियत — यश पाल

भारत के महान वैज्ञानिक और शिक्षाविद्

यश पाल, भारत के एक प्रख्यात वैज्ञानिक, शिक्षाविद और विज्ञान प्रचारक थे, जिन्होंने विज्ञान और शिक्षा के क्षेत्र में अमूल्य योगदान दिया। उनका जन्म 26 नवंबर 1926 को झांग, पंजाब (अब पाकिस्तान) में हुआ। बचपन से ही विज्ञान के प्रति उनकी गहरी रुचि थी। उन्होंने पंजाब विश्वविद्यालय से भौतिकी में स्नातक और मैसाचुसेट्स इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी से भौतिकी में डॉक्टरेट की उपाधि प्राप्त की।

यश पाल ने अपने करियर की शुरुआत टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ फंडामेंटल रिसर्च से की। यहां उन्होंने कॉस्मिक रे (ब्रह्मांडीय किरणों) और अंतरिक्ष विज्ञान पर गहन शोध किया। उनके शोध ने अंतरिक्ष विज्ञान के क्षेत्र में नई दिशाएं खोलीं और भारत को इस क्षेत्र में अग्रणी बनाया।

विज्ञान और शिक्षा में उनकी प्रमुख भूमिका तब सामने आई जब उन्हें 1973 में अंतरिक्ष आयोग और इसरो (ISRO) के प्रमुख वैज्ञानिक सलाहकार के रूप में नियुक्त किया गया। यश पाल ने भारतीय उपग्रह कार्यक्रमों को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण योगदान दिया। उनका नेतृत्व उपग्रह टेलीविजन शिक्षा कार्यक्रम (SITE) के सफल संचालन का कारण बना, जिसने ग्रामीण भारत में शिक्षा और संचार क्रांति लाई। 1983 में, यश पाल को यूनिवर्सिटी ग्रांट्स कमीशन (UGC) का अध्यक्ष बनाया गया। इस दौरान उन्होंने भारत की उच्च शिक्षा प्रणाली में सुधार के लिए कई क्रांतिकारी कदम उठाए। उन्होंने शिक्षा को सरल और सुलभ बनाने पर जोर दिया।

विज्ञान को आम जनता तक पहुंचाने के लिए यश पाल ने 'टर्निंग प्वाइंट' जैसे लोकप्रिय टीवी कार्यक्रम प्रस्तुत किए, जिससे लाखों भारतीयों में विज्ञान के प्रति रुचि जागृत हुई। उन्हें पद्मभूषण (1976) और पद्मविभूषण (2013) जैसे प्रतिष्ठित सम्मान मिले। 24 जुलाई 2017 को उनका निधन हुआ।

यश पाल का जीवन सादगी, ज्ञान और सेवा का प्रतीक था। वे विज्ञान को जन-जन तक पहुंचाने और शिक्षा में सुधार लाने वाले महानायक थे। उनकी विरासत आज भी भारतीय शिक्षा और विज्ञान में प्रेरणा का स्रोत है।

जीवन ऊर्जा — विलियम कूपर : जन्म 26 नवंबर 1731 — जन्म

आभार की भावना आत्मा को समृद्ध बनाती है

विलियम कूपर का जन्म 26 नवंबर 1731 को इंग्लैंड में हुआ था और उनका निधन 25 अप्रैल 1800 को हुआ। वे एक प्रसिद्ध अंग्रेजी कवि और भजन रचयिता थे। उनकी कविताएं प्रकृति, मानव भावना और ईश्वर के प्रति गहरी आस्था को व्यक्त करती हैं। उन्हें अंग्रेजी साहित्य का महान कवि माना जाता है।

विविधता जीवन का असली मसाला है, जो इसे उसका पूरा स्वाद देता है। ज्ञान को इस पर गर्व होता है कि वह कितना जानता है; बुद्धिमानी इस पर विनम्र होती है कि वह और नहीं जानता। अच्छा करना मनुष्य के जीवन का एकमात्र निश्चित और सुखद कार्य है। आभार की भावना आत्मा को समृद्ध बनाती है। खाली पेट कोई देशभक्त नहीं हो सकता। सच्चा सुख बाहरी चीजों में नहीं, बल्कि आत्मा की संतुष्टि में है। महानता का मार्ग आत्म-सुधार की दिशा में एक कदम से शुरू होता है। युवावस्था का एक झरना है: आपका मन, आपकी प्रतिभा और आपके जीवन में लाई गई रचनात्मकता। प्रकाश धर्मियों के लिए बोया जाता है, और प्रसन्नता सीधा दिल रखने वालों के लिए। विश्राम आलस्य नहीं

है; यह शांत मन का परिणाम है। जो अपनी प्रशंसा खुद करता है, वह अक्सर बेसुरा होता है। प्रसन्न दिल सबसे लंबी यात्रा को भी हल्का बना देता है। जो करना चाहिए, उसे करने का संकल्प लो; जो तय किया है, उसे बिना चूके पूरा करो। आशा वह औषधि है जो दिल को जीवित रखती है। स्वतंत्रता से मधुर आवाज सत्य की होती है। मन स्वर्ग को नर्क बना सकता है या नर्क को स्वर्ग। परोपकार घर से शुरू होता है, लेकिन वहीं खत्म नहीं होता। जो चीजें पाने लायक होती हैं, वे प्रयास और दृढ़ संकल्प के बिना नहीं मिलतीं। जीवन के सबसे बड़े खजाने अक्सर इसके सबसे सरल क्षणों में मिलते हैं। महानता के बीज दृढ़ता की मिट्टी में होते हैं। सच्ची विनम्रता खुद को कम आंकना नहीं, बल्कि खुद के बारे में कम सोचना है। प्रकृति शांति का स्रोत और धैर्य का सबसे बड़ा शिक्षक है। जहां आभार बोया जाता है, वहां सुख खिलता है। दुनिया एक मंच है जहां हर कार्य हमारा भाग्य आकार देता है। विश्वास एक तारा देखता है और आत्मा को उसकी ओर मार्गदर्शित करता है।

सर्वसिद्ध श्री बगलामुखी तारा महाशक्ति पीठ बिजाना शाजापुर मध्य प्रदेश

गायों के प्रति कृष्ण का था गहरा प्रेम

जब कृष्ण अपने पहले दिन के लिए गाय चराने के लिए निकलने वाले थे तो माता यशोदा अपने बेटे की भलाई के लिए चिंतित होकर उनके पास एक जोड़ी जूते लेकर पहुंचीं। उन्होंने कहा कि मेरे प्यारे कृष्ण कृपया ये जोड़ी जूते ले लो, जंगल पत्थरों से भरा है और वहां चलने से आपके कोमल पैर चोटिल हो जाएंगे। लेकिन कृष्ण ने मुस्कुराते हुए धीरे से मना कर दिया । मां यशोदा आपने बहुत सोच समझकर काम किया हैलेकिन मैं ये जूते नहीं पहन सकतागायों के पास जूते नहीं होते अगर आप ज़ोर देती हैं कि मैं जूते पहनूँ तो आपको पहले सभी गायों के लिए जूते उपलब्ध कराने होंगे। कृष्ण ने आगे कहा कि हमारे पास 900,000 गायें हैं और हर गाय के चार पैर हैं, हमें कितने जूते चाहिए। माता यशोदा को इस कार्य की असंभवता का एहसास हुआ और उन्होंने कृष्ण को जूते पहनाने पर जोर देने का विचार त्याग दिया।

अपने बेटे की रक्षा करने के लिए दृढ़ संकल्पित माता यशोदा ने फिर एक विकल्प सुझाया। ओह लेकिन कम से

कम यह छाता तो ले लो। बाहर धूप में बहुत गर्मी है। हालांकि कृष्ण ने भी यही शर्त रखी। अगर आप चाहते हैं कि मैं छाता ले जाऊं तो हमें पहले सभी गायों के लिए छाते लाने होंगे लेकिन गायों के पैर होते हैं। हाथ नहीं इसलिए हमें उनके लिए छाते ले जाने वाले किसी व्यक्ति की आवश्यकता होगी। हमें गायों के साथ-साथ छाते पकड़े हुए 900,000 लोगों की आवश्यकता होगी

। यह जानकर कि यह भी असंभव है, माता यशोदा को यह विचार त्यागना पड़ा।

गायों का कृष्ण को विशेष उपहार

कृष्ण की अपनी माँ से बातचीत सुनकर गायों को उनके प्रति गहरा प्रेम और कृतज्ञता का भाव महसूस हुआ। उस रात वे वृंदावन के चारों ओर घूमीं और अपने पैरों से पत्थरों को कुचलती रहीं गायों ने कठोर पत्थरों को सुंदर मुलायम रेत में बदल दिया। अगली सुबह जब कृष्ण गाय चराने के लिए निकले तो वे इस नरम रेत पर चले, जिससे उनके पैरों को कठोर पत्थरों के दर्द से बचाया जा सके। आज भी यदि आप व्रज मंडल परिक्रमा पर जाते हैं, तो आपको यह मुलायम सुंदर रेत मिलेगी जो कृष्ण के प्रति गायों की भक्ति का प्रमाण है।

कहानी की नीति: यह कहानी कृष्ण के गायों के प्रति गहरे प्रेम और देखभाल के साथ-साथ गायों की ओर से उस प्रेम के प्रतिदान को खूबसूरती से दर्शाती है। कृष्ण के प्रति गायों की भक्ति इतनी गहरी थी कि उन्होंने उनके आराम का ख्याल रखने का बीड़ा उठा लिया। जंगल के कठोर रास्तों को उनके कोमल पैरों के लिए नरम रेत में बदल दिया।

प्रार्थना: हे भगवान कृष्ण हम आपके प्रति वैसा ही प्रेम और भक्ति विकसित करें जैसा वृंदावन की गायों में है। जिस तरह आप हर जीव की इतनी कोमलता से देखभाल करते हैं उसी तरह हमारे दिलों में करुणा और निस्वार्थता विकसित करने में हमारी मदद करें। हम हमेशा आपकी दिव्य लीलाओं को याद रखें और शुद्ध प्रेम के साथ आपकी सेवा करने का प्रयास करें।

पंडित कैलाशचंद्र शर्मा
वैदिक सनातन संस्कृति के प्रचारक व सर्व सिद्ध श्री बगलामुखी तारा महाशक्ति पीठ के संस्थापक।
मो. नं. 9425980556

सक्सेस मंत्र

अपनी सोच से इंसान भिखारी या सम्राट होता है

एक जगह एक भिखारी सड़क के किनारे बैठकर बीस-पच्चीस वर्षों तक भीख मांगता रहा। फिर एक दिन उसे मौत आ गई और वो मर गया। जीवन भर उसकी यही कामना रही कि वो भी एक दिन सम्राट बन जाएं। लेकिन जिंदगीभर वो हमेशा दूसरों के आगे हाथ फैलाकर, एक-एक पैसा मांगता रहा। मांगने की आदत जितनी बढ़ती है, आदमी उतना ही बड़ा भिखारी हो जाता है। लेकिन इस भिखारी के साथ मांगने की वजह से इतना जरूर हुआ कि पच्चीस वर्ष पहले वह छोटा भिखारी था, पच्चीस वर्ष बाद पूरे नगर में प्रसिद्ध भिखारी हो गया था। गांव के लोगों ने उसका अंतिम संस्कार करवा दिया। गांव वालों ने वह जगह साफ कराने की सोची, जहां वह बैठा रहता था। गंदे कपड़े, टीन-टप्पर, बर्तन-भांडे सब सामान फिंकवा दिए।

खोद-खादकर वहां की जमीन समतल कराने लगे। लेकिन जब मिट्टी खोदी तो सब हैरान हो गए। भीड़ जुटने लगी। वह भिखारी जिस जगह बैठा था, वहां बड़े खजाने गड़े हुए थे। वह सम्राट हो सकता था, लेकिन वह उन लोगों की तरफ हाथ पसारे रहा, जो खुद ही भिखारी थे। गांव के लोग आपस में बातचीत करते कह रहे थे, बड़ा अभागा था! तभी वहां से एक संत गुजरे। उन्होंने हंसकर कहा कि उस अभागे की फिक्र छोड़ो। दौड़ो अपने घर, अपनी जमीन खोदो। कहीं वहां कोई खजाना तो नहीं? संत बोले- खजाना वहीं होता है जहां आप होते हैं। पर अपनी जमीन देखे बिना हम दूसरों से ही मांगते रह जाते हैं। प्रेम के बड़े खजाने अपने भीतर होते हैं, लेकिन हम दूसरों से मांगते रह जाते हैं कि हमें प्रेम दो! पत्नी पति से मांग रही है, मित्र मित्र से मांग रहा है कि हमें प्रेम दो! जिनके पास खुद ही नहीं है, हम उनसे मांग रहे हैं! भिखारी भिखारियों से मांग रहे हैं! लेकिन अपनी जमीन, जिस पर हम खड़े हैं, उसे खोदने की फिक्र कोई नहीं करता।

यह अखबार "माध्यम कार्पोरेट सर्विसेज लि. " के लिए प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक अरुणलाल द्वारा ग्राउंड फ्लोर, ऑफिस नं. 2, के. के. चैम्बर्स, पुरुषोत्तमदास ठाकरदास रोड, फोर्ट, मुंबई- 400001 से प्रकाशित एवं सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, गाला नं. 4, एन.के.इंडस्ट्रियल इस्टेट, इनसाइड प्रवासी इंडिस्ट्रयल इस्टेट गेट नं. 2, गोरेगांव पू., मुंबई-63 से मुद्रित। फोन नं. 022-66555719 ईमेल : indiagroundreport@gmail.com कार्यकारी संपादक : राजा आदाटे (पी.आर.बी. अधिनियम के अंतर्गत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार)।

सर्दियों में डैंड्रफ के लिए किसी चमत्कार से कम नहीं है ये 5 हेयर ऑयल

सर्दियों के दौरान बालों को लेकर के लिए काफी समस्याएं बढ़ने लगती है। इस मौसम में बालों की केयर ढंग से नहीं हो पाती और ऊपर से बालों में डैंड्रफ की समस्या उत्पन्न हो जाती है। बालों में रुसी, खुजली और स्कैल्प ड्राई होने लगता है। सर्दियों के मौसम में शरीर में नमी के कारण से सिर की त्वचा रुखी हो जाती है। डैंड्रफ से निपटने के लिए सबसे बेहतरीन तरीका है एंटी-डैंड्रफ हेयर ऑयल बालों में लगाएं, इसे आप घर परबना सकते हैं या फिर बाजार से खरीद सकते ।

नारियल तेल के साथ नींबू का रस

नारियल का तेल आपके घर में जरुर होगा। बता दें कि, नारियल का तेल लॉरिक एसिड से भरा होता है, जो रोगाणुरोधी गुण से भरपूर होता है। इसके साथ ही आप नारियल तेल के साथ नींबू मिलाकर जरुर लगाएं। यह हमारे बालों की जड़ों में पहुंचकर रुसी को नियंत्रित करता है।

टी ट्री ऑयल

टी ट्री के पत्तियों के भाप से डिस्टलेशन से बनाया जाता है। इसमें एंटीफंगल और एंटी-बैक्टीरिया के गुण होते हैं। इस तेल से सप्ताह में दो बार हल्की मालिश कर सकते हैं। सिर की त्वचा साफ होती है और घने बाल भी उगते हैं। बाजार में भी टी ट्री हेयर मिलते हैं, जिनका आप यूज कर सकते हैं।

थाइम हेयर ऑयल

थाइम एक जड़ी बूटी है जिसमें कुछ फूल वाले पौधों के सूखे एरिअल भाग में शामिल होते हैं। यह अपने एंटी-इंफ्लेमेटरी, एंटीफंगल और जीवाणुरोधी गुणों के लिए जाना जाता है। इसलिए, थाइम तेल की मदद से आप अपने सिर से रूसी, पपड़ी बनना, खुजली और अन्य फंगल संक्रमण को जड़ से खत्म होता है। बाजार में आपको यह हेयर ऑयल मिल जाएगा या फिर आप ऑनलाइन भी खरीद सकते हैं।

रोजमैरी और पेपरमिंट ऑयल

डैंड्रफ की समस्या से बचने के लिए आप पेपरमिंट और रोजमैरी का ऑयल से मालिश करना सबसे बढ़िया है। इस हेयर ऑयल में सूजन-रोधी और एंटीफंगल के गुण होते हैं। यह आपकी खुजली को शांत कर सकते हैं।

लैवेंडर ऑयल

लैवेंडर ऑयल में शक्तिशाली एंटीफंगल गुण होते हैं। लैवेंडर तेल से सिर की मालिश करने से रक्त संचार बढ़ता है, रूसी कम होती है और सिर को शांति मिलती है।

विंटर में सूखी त्वचा होगी दूर

चेहरे पर लगाएं यह फेस पैक, हीरोइन की तरह चमकेगी स्किन

ठंड के मौसम में चेहरा सबसे ज्यादा प्रभावित होता है। जिस वजह से स्किन भी निखार खोने लगती है। सर्दियों के दौरान हर महिलाएं खूबसूरत दिखना चाहती हैं लेकिन स्किन केयर के लिए हमेशा आलस करती हैं। इसी कारण ड्राइनेस, सनबर्न, यूवी रेज, धूल, प्रदूषण जैसी परेशानियां बेजान त्वचा पर नजर आती है। अगर आप भी हीरोइन की तरह दिखना चाहते हैं तो आज ही शुरु कर दें इस पैक को चेहरे पर लगाने के लिए, मिलेगा गजब का निखार।

कैसे बनाएं शहद का फेस पैक

सर्दियों में साबुन और फेस वॉश में चेहरे को धोने से त्वचा ड्राई हो जाती है। त्वचा में नमी बनाने के लिए आप हनी फेस पैक का इस्तेमाल कर सकते हैं। यह पैक हर स्किन के लिए परफेक्ट होता है। शहद से बना हुआ फेस पैक ऑयली, ड्राई, सेंसिटिव और मिक्स टाइप स्किन वाले लोग इसका प्रयोग कर सकते हैं।

हनी फेस पैक बनाने की सामग्री

- डेढ़ चम्मच शहद
- दो चम्मच मुलतानी मिट्टी का पाउडर
- एक चम्मच गुलाब जल
- आधा चम्मच ऐलोवेरा जेल

कैसे लगाएं

- इन सब चीजों को कटोरी में मिलाकर मिक्स कर लें और इस फेस पैक चेहरे पर लगाएं।
- पैक को लगाने से पहले चेहरे को धो ले, जिससे चेहरे पर जमी हुए धूल और गंदगी साफ हो जाएगी।
- फिर इस पैक को चेहरे पर करीब आधे घंटे तक लगाकर रखें।
- इसके बाद आप अपने चेहरे को साफ पानी से धो लें।
- अब चेहरे पर हल्का मॉइश्चराइजर लगा लें।
- इस पैक को आप हफ्ते में तीन बार लगा सकते है।

शहद फेस पैक के फायदे

हनी फेस पैक लगाने से स्किन पर ग्लो नजर आता है साथ ही स्किन हाइड्रेट रहती है। जिन लोगों की स्किन ऑयली है उनके लिए यह पैक फायदेमंद है। शहद, एलोवेरा, मुलतानी मिट्टी और गुलाब जल से बने फेस पैक स्किन टाइटनिंग में मदद करता है।

इस फेस्टिव सीजन में ट्राई करें चेन मंगलसूत्र

पतिदेव भी देखकर हो जाएंगे खुश

कोई त्योहार हो या फंक्शन, महिलाएं हर खास मौके पर खुद को सजाने-संवारने का कोई भी मौका नहीं छोड़ती हैं। महिलाएं अपने लुक के साथ-साथ ज्वैलरी पर भी खासा ध्यान देती हैं। जिससे कि उनके लुक में कोई कमी न रह जाए। महिलाएं ऐसे गहने पहनती हैं, जिससे पहनकर वह सुंदर दिख सकें। ऐसे में अगर आप भी इस फेस्टिव सीजन में कुछ गोल्ड खरीदने की सोच रही हैं, तो आप चेन डिजाइन वाला मंगलसूत्र ले सकती हैं। यह आपके लुक को स्टाइलिश बनाता है। आप अलग-अलग डिजाइन वाले मंगलसूत्र को अपनी गर्दन के हिसाब से खरीद सकती हैं।

ईवल आई वाला चेन मंगलसूत्र

बता दें कि आजकल लोगों को आई के डिजाइन में बनी चीजें काफी पसंद आ रही हैं। इसलिए महिलाएं इसी डिजाइन में मंगलसूत्र भी सर्च करती हैं। आप भी अगर यूनिक डिजाइन वाला मंगलसूत्र देख रही हैं, तो आप ईवल आई वाला मंगलसूत्र पहन सकती हैं। इस तरह के मंगलसूत्र में आपको चेन मिलेगी और ईवल आई का पेंडेट भी मिलेगा। इस तरह की डिजाइन वाला मंगलसूत्र आप पर काफी अच्छा लगेगा।

सिंपल ब्लैक मोती के साथ मंगलसूत्र

कुछ महिलाओं को सिंपल डिजाइन वाला मंगलसूत्र पहनना अच्छा लगता है। तो ऐसे में आप ब्लैक मोती वाला मंगलसूत्र स्टाइल कर सकती हैं। इसमें आपको नीचे की तरफ काले मोती का डिजाइन मिलेगा और पूरी गोल्ड चेन होगी। इससे यह मंगलसूत्र देखने में काफी अच्छा लगता है। आप चाहें तो इसको ऑफिस भी पहनकर जा सकती हैं। इससे आपका लुक सुंदर लगेगा। मार्केट में आपको इस डिजाइन के मंगलसूत्र 100-200 रुपए में आराम से मिल जाएंगे।

पति के नाम वाला चेन मंगलसूत्र

इस समय पति के नाम वाले मंगलसूत्र भी चलन में हैं। महिलाओं को इस तरह के मंगलसूत्र काफी अच्छे लगते हैं और इसमें लुक भी काफी अच्छा आता है। आप इस तरह के मंगलसूत्र में डबल चेन वाला डिजाइन ले सकती हैं और इसमें अपने पति के नाम का पेंडेंट डलवा सकती हैं। इसको पहनने पर आपका लुक भी अच्छा लगेगा और आपके पति भी खुश हो जाएंगे।

राशिफल

प्रियंका जैन

मेष — घर-बाहर पूछ-परख रहेगी। थकान रहेगी। धन प्राप्ति सुगम होगी। प्रसन्नता रहेगी। भूमि, आवास की समस्या रह सकती है। आजीविका में नवीन प्रस्ताव मिलेगा। दांपत्य जीवन सुखद रहेगा। संतान से कष्ट रहेगा।

वृष — संपत्ति के कार्य लाभ देंगे। परीक्षा व साक्षात्कार आदि में सफलता मिलेगी। प्रसन्नता रहेगी। धनार्जन होगा। समाज में प्रसिद्धि के कारण सम्मान में बढ़ौत्री होगी। आजीविका में नवीन प्रस्ताव मिलेंगे। समस्याओं को अनदेखा न करें।

मिथुन — प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। राजकीय काम बनेंगे। व्यवसाय ठीक चलेगा। चिंता रहेगी। जोखिम न उठाएं। संतान से मदद मिलेगी। आर्थिक स्थिति में प्रगति की संभावना है। अचानक धन की प्राप्ति के योग हैं।

कर्क — भूले-बिसरे साथियों से मुलाकात होगी। उत्साहवर्धक सूचना मिलेगी। मान बढ़ेगा। व्यवसाय ठीक चलेगा। अपनी बुद्धिमत्ता से आप सही निर्णय लेने में सक्षम होंगे। विकास की योजनाएं बनेंगी।

सिंह — वाहन व मशीनरी के प्रयोग में सावधानी रखें। वस्तुएं संभालकर रखें। स्वास्थ्य पर व्यय होगा। विवाद न करें। यात्रा में अपनी वस्तुओं को संभालकर रखें। कर्म के प्रति पूर्ण समर्पण व उत्साह रखें। अधीनस्थों की ओर ध्यान दें।

कन्या — बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। आय बढ़ेगी। घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी। अपने व्यसनों पर नियंत्रण रखते हुए कार्य करना चाहिए। व्यापार में कर्मचारियों पर अधिक विश्वास न करें।

तुला — दूसरों से अपेक्षा न करें। चिंता तथा तनाव रहेंगे। थकान रहेगी। जोखिम न लें। विवाद से बचें। राजकीय सहयोग मिलेगा एवं इस क्षेत्र के व्यक्तियों से संबंध बढ़ेंगे। विद्यार्थियों को प्रतियोगिता में सफलता मिलेगी।

वृश्चिक — लेन-देन में सावधानी रखें। विवाद न करें। दांपत्य जीवन सुखद रहेगा। सकारात्मक विचारों के कारण प्रगति के योग आएंगे। कार्यपद्धति में विश्वसनीयता बनाए रखें। समय ठीक नहीं है।

धनु — किसी आनंदोत्सव में भाग लेने का अवसर मिलेगा। रचनात्मक कार्य सफल रहेंगे। व्यवसाय ठीक चलेगा। कामकाज में धैर्य रखने से सफलता मिल सकेगी। योजनाएं फलीभूत होंगी।

मकर — नए अनुबंध होंगे। यात्रा, निवेश व नौकरी मनोनुकूल रहेंगे। झंझटों में न पड़ें। शत्रु सक्रिय रहेंगे। कार्य की प्रवृत्ति में यथार्थता व व्यावहारिकता का समावेश आवश्यक है।

कुंभ — भाग्योन्नति के प्रयास सफल रहेंगे। भेंट व उपहार की प्राप्ति होगी। यात्रा, निवेश व नौकरी मनोनुकूल रहेंगे। जोखिम न लें। व्यावसायिक चिंता दूर हो सकेगी। सामर्थ्य से ही भाग्योन्नति होगी।

मीन — धर्म-कर्म में रुचि बढ़ेगी। राजकीय बाधा दूर होगी। वरिष्ठजन सहयोग करेंगे। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। बुद्धि एवं तर्क से कार्य में सफलता के योग बनेंगे। यात्रा कष्टप्रद हो सकती है।

ज्योतिष में इंजीनियर बनने के योग

अभियन्ता अर्थात् इंजीनियर का कार्य बहुत ही अद्भुत है। मानव जीवन को अधिकतम सुख पहुँचाना इन्जीनियर का प्रमुख लक्ष्य होता है, चाहे उसके लिए उन्हें प्रकृति से भी क्यों न लड़ना पड़े। मरुस्थल में सरोवर बनाना, पर्वतों पर भवन निर्माण, सड़क का जाल बिछाना, ग्रीष्म ऋतु की तपती गर्मी को ठण्डी हवा में बदल देना जैसे कार्य इन्हीं की देन हैं। जीवन को अधिक सुविधाजनक इंजीनियरिंग के माध्यम से ही बनाया जाता है। फलित ज्योतिष के अनुसार मंगल, राहु, शनि, पंचम भाव एवं दशम भाव से इंजीनियरिंग सम्बन्धी योगों का विचार किया जाता है। सामान्य रूप से निम्नलिखित योग होने पर व्यक्ति अच्छा इंजीनियर बनता है :

1. राहु का पंचम भाव अथवा पंचमेश से दृष्टि-युति सम्बन्ध जातक को पाश्चात्य विधा प्रौद्योगिकी में रुचि देकर तकनीकी योग्यता का विकास करता है।

2. सभी प्रकार की प्रौद्योगिकी मशीनें एवं श्रमिकों का कारक शनि को माना जा सकता है। शोध एवं गहन अध्ययन का कारक भी शनि को ही पाया है। पंचम या दशम भाव से शनि का किसी भी प्रकार का सम्बन्ध जातक को मशीन सम्बन्धी कार्यों से आजीविका प्रदान करेगा।

3. मंगल का सम्बन्ध अस्त्र-शस्त्र, ताम्र एवं लोह पदार्थ से जोड़ा गया है। आज के युग में बिजली से चलने वाले यन्त्र एवं उपकरण तथा औजारों का कारक मंगल को माना जा सकता है। बिजली की मोटर, विद्युत् तार, विद्युत् तापघर एवं विद्युत् वितरण का सम्बन्ध भी मंगल से जोड़ा जाता है।

4. मशीनों का प्रारूप तैयार करने के लिए डिजाइन और ड्राइंग रूम बनाने का कार्य शुक्र के कारण होता है। मतान्तर से सभी बहुमूल्य, नाजुक और संवेदनशील मशीनों का कारक शुक्र ही होता है। नई मशीन विकसित करने वाले अभियन्ताओं की कुण्डली में पंचम और दशम भाव अथवा भावेश का सम्बन्ध शुक्र से होना स्वाभाविक है।

प्रियंका जैन
9769994439

खबर संक्षेप

गया जंक्शन पर वंदेभारत एक्सप्रेस में जबरन चढ़े 100 से ज्यादा यात्री

गया। गया रेलवे स्टेशन पर विकास कार्य चल रहा है, जिसके चलते कई ट्रेनें रद्द कर दी गई हैं और कई के रूट में बदलाव किया गया है। ऐसे में यात्रियों को कई तरह की परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। नतीजतन कई यात्री जबरन दूसरी ट्रेनों में घुसकर यात्रा कर रहे हैं। ऐसा ही नजारा रविवार की रात देखने को मिला, जब यात्रियों को पता चला कि उनकी ट्रेन एकात्मा एक्सप्रेस गया जंक्शन से नहीं बल्कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय जंक्शन से खुलेगी। फिर क्या था करीब 100 यात्री गया रेलवे स्टेशन पहुंची देवघर-वाराणसी वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन में घुस गए और जबरन यात्रा करने लगे। यात्रियों ने बताया कि गया-एकात्मता एक्सप्रेस ट्रेन को गया से नहीं बल्कि डीडीयू जंक्शन से खुलना था। इसकी जानकारी उन्हें नहीं थी। ऐसे में असमंजस की स्थिति उत्पन्न हो गई और जब कुछ समझ में नहीं आया तो यात्री देवघर-वाराणसी वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन में सवार हो गए। उन्होंने वंदे भारत एक्सप्रेस में पहले से यात्रा कर रहे यात्रियों से अनुरोध किया और यात्रा की। हालांकि, इसकी जानकारी रेलवे अधिकारियों को दी गई। लेकिन, अधिकारियों के स्टेशन पहुंचने से पहले ही देवघर-वाराणसी वंदे भारत ट्रेन खुल चुकी थी। देवघर-वाराणसी वंदे भारत एक्सप्रेस में यात्रा कर रहे यात्रियों ने ट्रेन में सवार यात्रियों के प्रति सहानुभूति दिखाई। उन्होंने कहा कि सेवा करना अच्छी बात है। ट्रेन में सवार अन्य यात्रियों को भी यात्रा करने के लिए कहा गया और उन्हें जगह दी गई।

आपसी विवाद में बाइक सवार बदमाशों ने युवक को चाकू से घोंपा, स्थिति नाजुक

गोपलगंज। जिले के कुचायकोट थानाक्षेत्र के वृति टोला गांव में बाइक सवार बदमाशों ने पैदल घर जा रहे युवक पर चाकू से हमला कर दिया, जिससे युवक बुरी तरह जख्मी हो गया। घायल युवक को इलाज के लिए गोपालगंज सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उसका इलाज डॉक्टर के देखरेख में चल रहा है। जख्मी युवक की पहचान कुचायकोट थानाक्षेत्र के वृति टोला गांव के रहने वाले रामू राम के रूप में की गई है। बताया जा रहा है कि जख्मी युवक रामू राम और उसके बगल के गांव के रहने वाले एक युवक के बीच पहले से ही किसी बात को लेकर विवाद चल रहा था। इसको लेकर दोनों में शनिवार की शाम भी झड़प हुई थी। लोगों ने बीच बचाव कर मामला तब शांत कर दिया था। लेकिन एक बार फिर विवाद शुरू हो गया। जख्मी के परिजनों ने बताया कि वह पैदल ही अपने खेत से घर लौट रहा था।

मिल्कीपुर उपचुनाव

हाइकोर्ट ने याचिका वापसी को दी मंजूरी

एजेंसी । अयोध्या

यूपी में अयोध्या की मिल्कीपुर विधानसभा सीट पर उपचुनाव को लेकर बड़ी खबर है। इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ बेंच ने यहां पर उपचुनाव को लेकर दाखिल याचिका वापस लेने की मंजूरी दे दी है। इससे मिल्कीपुर में उपचुनाव का रास्ता साफ हो गया है। बताते चलें कि पूर्व भाजपा विधायक बाबा गोरखनाथ एक याचिका दाखिल की थी। इसमें उन्होंने 2022 में मिल्कीपुर सीट से समाजवादी पार्टी के अवधेश प्रसाद के निर्वाचन को चुनौती दी थी। उनका कहना था कि अवधेश प्रसाद के नामांकन पत्रों में विसंगतियां हैं। इसके बाद उन्होंने अपनी याचिका वापस लेने की अर्जी डाली थी। मामले में सोमवार को हाईकोर्ट की लखनऊ बेंच ने याचिका को वापस लेने की मंजूरी दे दी है। इससे मिल्कीपुर उपचुनाव का रास्ता साफ हो गया है।

सपा को महज दो सीटें हासिल हुईं

ज्ञात हो कि यूपी में 10 विधानसभा सीटों पर उपचुनाव होना था। लेकिन, उपचुनाव घोषणा के समय याचिका की वजह से मिल्कीपुर में उपचुनाव रोक दिया गया था। दो दिन पहले ही यानी 23 नवंबर को उपचुनाव के नतीजे आए हैं। इसमें भाजपा को सात सीटों पर विजय मिली। सपा को महज दो सीटें हासिल हुईं।

सपा-भाजपा को मिले कई सबक

नौ सीटों के उपचुनाव परिणाम सपा और भाजपा को कई सबक सिखा गए। करहल और कुंदरकी में भाजपा जहां वोटबैंक बढ़ाने में कामयाब रही, वहीं गाजियाबाद और मझवां में जीत दोहराने के बावजूद घटे वोटबैंक ने उसके लिए चुनौती बढ़ा दी है। दूसरी ओर सपा भले ही करहल और सीसामऊ सीट बचाने में कामयाब रही हो, लेकिन घटा वोटबैंक उसके लिए भी खतरे की घंटी है।

वोट को लूटकर भाजपा ने चुनाव जीता-अखिलेश

वहीं नतीजों के बाद सपा मुखिया अखिलेश यादव ने भाजपा पर कई आरोप लगाए। सपा मुखिया ने कहा था कि इलेक्ट्रॉनिक बूथ कैप्चरिंग से भाजपा चुनाव जीती। चुनाव में शासन-प्रशासन दुशासन बना। लोकतंत्र के चीर-हरण को जनता रोकेगी। ईवीएम के बटन की फोरेंसिक जांच कर ली जाए कि एक ही उंगली से कितनी बार बटन दबा। जिनकी उंगली पर निशान नहीं है, उनके भी वोट डाले गए। कुंदरकी के चुनाव में भाजपा ने बड़े पैमाने पर बेईमानी की। यह चुनाव निष्पक्ष नहीं हुए। वोट को लूटकर भाजपा ने चुनाव जीता।

उपचुनाव का रास्ता साफ

अखिलेश यादव ने कहा था कि भाजपा हार से डरती थी, तभी मतदान की तारीखों को आगे बढ़ा दिया था। मिल्कीपुर को लेकर भी अखिलेश यादव सरकार को घेरते रहते हैं। उन्होंने तो यहां तक कहा था कि भाजपा के सर्वे में मिल्कीपुर में हार मिल रही है। इसलिए चुनाव को टाल दिया गया। अब हाइकोर्ट ने याचिका खारिज कर दी है। इससे उपचुनाव का रास्ता साफ हो गया है। अब एक बार फिर राजनीतिक सरगर्मी बढ़ने वाली है। अब बस इतंजार इस बात रहेगा कि इस सीट पर चुनाव कब होगा?

हेमंत सोरेन सरकार के शपथ ग्रहण समारोह की मोरहाबादी में तैयारी

एजेंसी । रांची

झारखंड की हेमंत सोरेन सरकार का शपथ ग्रहण समारोह 28 नवंबर को आयोजित किया जाएगा। हेमंत सोरेन मुख्यमंत्री पद की शपथ लेंगे। इनके साथ कुछ मंत्री भी शपथ लेंगे। रांची के मोरहाबादी मैदान में भव्य शपथ ग्रहण समारोह होगा। इसकी तैयारी की जा रही है। सोमवार को रांची के उपायुक्त वरुण रंजन ने मोरहाबादी मैदान में समारोह की तैयारियों का जायजा लिया। इससे पहले उन्होंने मोरहाबादी के गोपनीय कार्यालय में मुख्यमंत्री एवं कैबिनेट मंत्रियों के शपथ ग्रहण समारोह की तैयारियों को लेकर बैठक की और पदाधिकारियों को तय समय में कार्य पूरा कराने का निर्देश दिया। उपायुक्त वरुण रंजन ने शपथ ग्रहण समारोह स्थल मोरहाबादी में हो तैयारियों का जायजा लिया। संबंधित पदाधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि सभी तैयारियां तय समय में पूरी कर लें। शपथ ग्रहण समारोह में झारखंड के दूर-दराज क्षेत्रों से काफी संख्या में लोगों के शामिल होने की संभावना है। कार्यक्रम में अतिथिगण/विशिष्ट व्यक्तियों के अलावा वरीय प्रशासनिक पदाधिकारियों के उपस्थित होने की संभावना है। इसे लेकर उपायुक्त वरुण रंजन ने समारोह स्थल पर विधि-व्यवस्था समेत अन्य मुद्दों पर पदाधिकारियों को निर्देश दिया। उपायुक्त वरुण रंजन ने शपथ ग्रहण समारोह को लेकर संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया कि पूरी व्यवस्था तय समय में सुनिश्चित करा लें। लोगों के आने- जाने के लिए वाहन, खान-पान की व्यवस्था, समारोह के दौरान दूसरे राज्यों से आनेवाले मेहमानों के रहने की सुविधा एवं पारंपरिक तरीके से उनका स्वागत, पार्किंग, यातायात की व्यवस्था, वीवीआईपी गाड़ियों का मूवमेंट, कार्यक्रम का मिनट-टू-मिनट, रुटलाइनिंग, कंट्रोल रूम, पेयजल की व्यवस्था, मोबाइल टॉयलेट, अग्निशमन समेत अन्य सुविधाएं बहाल करने को कहा।

बरेली पुल हादसा

PWD के चार इंजीनियरों पर मुकदमा

गूगल मैप के क्षेत्रीय अफसर भी कार्रवाई की जद में

एजेंसी । बदायूं

बदायूं के दातागंज क्षेत्र में समरेर और फरीदपुर के बीच अधूरे पुल से कार गिरने से हुई तीन लोगों की मौत का मामला सोमवार को शासन तक पहुंच गया। इसके बाद लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) के प्रांतीय खंड के दो सहायक व दो अवर अभियंताओं के खिलाफ दातागंज कोतवाली में रिपोर्ट दर्ज कराई गई है। इसके साथ ही चारों अभियंताओं का निलंबन भी तय है।

ऐसे हुई थी घटना

बरेली के फरीदपुर में शादी समारोह में शामिल होने आ रहे तीन युवकों की कार रविवार तड़के अधूरे पुल से करीब 20 फुट नीचे गिर गई थी। इस हादसे में तीनों की मौत हो गई। ये लोग गूगल मैप से रास्ता देखते हुए चल रहे थे। इसी दौरान बदायूं के समरेर को फरीदपुर से जोड़ने वाले रामगंगा पर बने अधूरे पुल पर चढ़ गए और हादसे का शिकार हो गए। नायब तहसीलदार छविराम की तरफ से कहा गया है कि दातागंज तहसील के समरेर से बरेली जनपद के फरीदपुर को जाने के लिए एक रास्ता गया है। इसी रास्ते पर बने पुल की एप्रोच रोड पिछले एक साल से ज्यादा समय से कटी हुई है, जिससे पुल आधा बना खड़ा है। यह जानते हुए भी कि अगर इस पुल से कोई गुजरेगा तो हादसा हो जाएगा, इसके बाद भी पीडब्ल्यूडी के अधिकारियों ने यहां कोई सतर्कता नहीं बरती।

नहीं लगाए गए अवरोधक

पुल की सड़क के दोनों ओर मजबूत अवरोधक, बैरिकेडिंग, रिफलेक्टर बोर्ड व सड़क के कटे होने का कोई सांकेतिक बोर्ड नहीं लगवाया। पुल के रास्ते को महज एक पतली दीवार से बंद कर दिया, जिसे अज्ञात लोगों ने पहले ही तोड़ दिया था। कोई अवरोधक न होने के कारण गूगल मैप भी रास्ते को सही दिखा रहा था।

गूगल मैप के क्षेत्रीय प्रबंधक भी आए लपेटे में

नायब तहसीलदार की तरफ से दी गई तहरीर में क्षेत्रीय प्रबंधक गूगल मैप को भी आरोपी बनाया गया है। हालांकि पुलिस ने आरोपियों वाले कालम में क्षेत्रीय प्रबंधक गूगल मैप का नाम नहीं लिखा है।

सुजीत सिन्हा गिरोह के 2 सदस्य गिरफ्तार

व्यापारियों को दे रहे थे धमकी

एजेंसी । पलामू

पलामू पुलिस ने सुजीत सिन्हा गिरोह के 2 सदस्यों को गिरफ्तार किया है। इन पर व्यापारियों को धमकी देने का आरोप है। छतरपुर के एसडीपीओ अवध प्रसाद यादव ने सोमवार को यह जानकारी दी।

पत्थर खदान और क्रशर मालिकों से मांगते थे रंगदारी, देते थे धमकी

एसडीपीओ ने बताया कि गैंगस्टर सुजीत सिन्हा गिरोह के ये सदस्य छतरपुर थाना क्षेत्र के पत्थर खदान और क्रशर मालिकों से रंगदारी मांगते थे। साथ ही धमकी भरा मैसेज भी भेजते थे। पुलिस ने इन्हें गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। छतरपुर एसडीपीओ ने बताया कि कुछ दिन पहले कई क्रशर व माइंस संचालकों के साथ-साथ व्यापारियों ने शिकायत की थी कि उन्हें सुजीत सिन्हा गिरोह के नाम पर उनसे रंगदारी मांगी जा रही है। मैनेज करने के लिए धमकी भरे मैसेज भी भेजे जा रहे हैं। इस मामले में शिकायत के आधार पर छतरपुर थाना में मुकदमा दर्ज किया गया। अनुसंधान के दौरान उत्तर प्रदेश के के 20 वर्षीय राजा बाबू केशरी उर्फ राजा बाबू (पिता बबलू केशरी) और 24 वर्षीय कार्तिकेय उर्फ सचिन (पिता सोहन लाल सोनकर) को गिरफ्तार किया गया।

कथा-मटकोर के दौरान कट्टा का खेल

बेत्तिया। बिहार के बेत्तिया में बगहा के चौतरवा थाना क्षेत्र के बरिआरवा पाठखोली गांव में एक व्यक्ति को देशी कट्टा लहराते हुए गिरफ्तार किया गया। घटना रविवार रात की है, जब गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस ने कार्रवाई करते हुए आरोपी को पकड़ा। आरोपी अपने चचेरे भाई के घर कथा-मटकोर समारोह में शामिल था और वहीं कट्टा लहरा रहा था। स्थानीय ग्रामीणों ने इसकी शिकायत पुलिस से की, जिसके बाद कार्रवाई की गई। थानाध्यक्ष संजीत कुमार ने बताया कि सूचना मिली थी कि गांव में एक व्यक्ति देशी कट्टा लहरा रहा है। SI ज्योति कुमारी मौर्या, SI संतोष कुमार और पुलिस बल ने मौके पर पहुंचकर कार्रवाई की। पुलिस को देखकर आरोपी भागने की कोशिश करने लगा, लेकिन पुलिस ने खदेड़कर उसे पकड़ लिया। पूछताछ में उसने अपना नाम आनंद कुमार राव उर्फ गोलू कुमार राव बताया।

व्यापार जगत

सेंसेक्स 992 अंक की तेजी के साथ 80,109 पर बंद

एजेंसी । मुंबई

हफ्ते के पहले कारोबारी दिन आज यानी 25 नवंबर को सेंसेक्स 992 अंक की तेजी के साथ 80,109 के स्तर पर बंद हुआ। निफ्टी में भी 314 अंक की तेजी रही, ये 24,221 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं, BSE स्मॉलकैप 976 अंक चढ़कर 53,589 के स्तर पर बंद हुआ। सेंसेक्स के 30 शेयरों में 24 में तेजी और 6 में गिरावट रही। निफ्टी के 50 शेयरों में से 43 में तेजी और 7 में गिरावट रही। NSE के सभी सेक्टोरल इंडेक्स तेजी के साथ बंद हुए। निफ्टी PSU बैंक सबसे ज्यादा 4.16% चढ़ा।

अडाणी ग्रुप की कंपनियों में निवेश नहीं करेगी फ्रांस की टोटल एनर्जीज, शेयर 9% गिरा

विदेशी निवेशकों ने ₹1,278.37 करोड़ के शेयर बेचे

HDFC बैंक, लार्सन एंड टुब्रो, ICICI बैंक और रिलायंस ने बाजार को सबसे ज्यादा ऊपर चढ़ाया। जबकि, इंफोसिस, JSW स्टील, टेक महिंद्रा और एशियन पेंट ने बाजार को नीचे खींचा। एशियाई बाजार में जापान के निक्केई में 1.30% और कोरिया के कोस्पी में 1.32% की तेजी रही। वहीं चीन का शंघाई कम्पोजिट इंडेक्स 0.11% की गिरावट के साथ बंद हुआ।

एनवायरो इंफ्रा इंजीनियर्स का IPO टोटल 2.09 गुना सब्सक्राइब

एजेंसी । मुंबई

एनवायरो इंफ्रा इंजीनियर्स लिमिटेड के IPO के लिए आज बोली लगाने का दूसरा दिन है। पहले दिन यह IPO टोटल 2.09 गुना सब्सक्राइब हुआ। रिटेल कैटेगरी में यह IPO 1.73 गुना, क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (QIB) कैटगरी में 2.04 गुना और नॉन-इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (NII) कैटगरी में 2.99 गुना सब्सक्राइब हो चुका है। निवेशक इस इश्यू के लिए 26 नवंबर तक बोली लगा सकेंगे। 29 नवंबर को कंपनी के शेयर बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (BSE) और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (NSE) पर लिस्ट होंगे। इस IPO का इश्यू का साइज 650.43 करोड़ रुपए है। कंपनी की कुल 4,39,48,000 शेयर जारी करने की योजना है। इसमें 3,86,80,000 नए शेयरों का फ्रेश इश्यू शामिल है, जबकि प्रमोटर्स 52,68,000 शेयरों की बिक्री करेंगे। प्रत्येक शेयर की फेस वैल्यू 10 निर्धारित की गई है।

अडाणी के साथ बिजली डील की जांच करेगा बांग्लादेश

एजेंसी । ढाका

अमेरिका में रिश्वत देने के आरोप में घिरे अडाणी ग्रुप की मुश्किलें बढ़ती जा रही है। बांग्लादेश में शेख हसीना के PM रहते अडाणी ग्रुप के साथ हुए पावर एग्रीमेंट की जांच के लिए एक एजेंसी गठित करने की सिफारिश की गई है। अंतरिम सरकार की तरफ से गठित समिति ने इस एजेंसी के गठन की सिफारिश की है। साथ ही शेख हसीना के पीएम रहते हुए छह अन्य बड़े एनर्जी और पावर एग्रीमेंट के जांच की भी मांग की गई है। एक आधिकारिक बयान में कहा गया- पावर, एनर्जी और खनिज संसाधन मंत्रालय की समीक्षा समिति ने 2009 से 2024 तक पावर प्रोडक्शन एग्रीमेंट को लेकर किए गए समझौते की जांच के लिए एजेंसी नियुक्त करने की सिफारिश की है।

समिति की मांग- समझौतों को रद्द या पुनर्विचार करें

अंतरिम सरकार के चीफ एडवाइजर मोहम्मद यूनुस के ऑफिस से जारी बयान में कहा गया- समीक्षा समिति सात प्रमुख एनर्जी और पावर प्रोजेक्ट की समीक्षा कर रही है। इसमें अडाणी (गोड्डा) BIFPCL 1234.4 मेगावाट कोल फायर्ड प्लांट भी शामिल है। छह अन्य समझौतों में से एक चीनी कंपनी के साथ हुआ है, जिसने 1320 मेगावाट का कोल फायर्ड इलेक्ट्रिसिटी प्लांट बनाया है। बयान में यह भी कहा गया है कि समिति ने कई सबूत जुटाए हैं, जिनके आधार पर अंतरराष्ट्रीय कानूनों और प्रक्रियाओं के मुताबिक समझौतों को रद्द या पुनर्विचार किया जाना चाहिए। इसके अलावा कई अन्य कॉन्ट्रेक्ट की जांच के लिए एक्स्ट्रा टाइम मांगा गया है।

जिंस वायदा कारोबार से प्रतिबंध हटाने का आग्रह

एजेंसी । नई दिल्ली

खाद्य तेल उद्योग एसईए ने सोमवार को सरकार से कच्चे पाम तेल और सोयाबीन सहित प्रमुख कृषि वस्तुओं में वायदा कारोबार पर प्रतिबंध हटाने का आग्रह किया। एसईए का तर्क है कि इससे उसके सदस्यों पर महत्वपूर्ण वित्तीय प्रभाव पड़ रहा है। पहली बार दिसंबर, 2021 में सात कृषि वस्तुओं पर लागू किए गए प्रतिबंध को कई बार बढ़ाया जा चुका है। फिलहाल यह प्रतिबंध 20 दिसंबर, 2024 तक है। सॉल्वेंट एक्सट्रैक्टर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एसईए) ने गृह मंत्री अमित शाह और वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण सहित पांच मंत्रियों से अपील की है कि वायदा कारोबार की अनुपस्थिति ने मूल्य जोखिम प्रबंधन और बाजार विकास में बाधा उत्पन्न की है।

दूरसंचार कंपनियों ने बढ़ाए पोस्टपेड प्लान की दरें

एजेंसी । नई दिल्ली

पोस्टपेड सिम उपयोग करने वाले ग्राहकों के लिए मासिक खर्चा बढ़ गया है। देश की अधिकांश दूरसंचार कंपनियों ने पोस्टपेड प्लान में 12 से 25 प्रतिशत की बढ़ोतरी कर दी है। कंपनियों ने पैकेज के हिसाब से कीमतों में बढ़ोतरी की है। बेसिक प्लान में भी करीब 50 रुपये का इजाफा किया गया है। एयरटेल का जो प्लान 399 रुपये में आता था, वो अब 449 रुपये का कर दिया है। इसी तरह से जियो, वोडाफोन-आइडिया ने भी अपने प्लान की दरों में बदलाव किया है। कीमतों में बढ़ोतरी एक साथ नहीं की गई है। बल्कि कंपनियों ने अलग-अलग समय पर अपने प्लान की दरों में बदलाव करके बढ़ाया है, जिससे काफी ग्राहकों को कीमतों में बदलाव का पता नहीं चला है। अक्तूबर और अब नवंबर महीने का बिल अधिकांश कंपनियों द्वारा बदली गई दरों के हिसाब से भेजा जा रहा है। दरों में बदलाव भले ही 50 रुपये तक किया गया है लेकिन जीएसटी को जोड़कर देखा जाए तो यह काफी ज्यादा बैठता है। अगर किसी व्यक्ति का एक पोस्टपेड सिम और ब्रॉडबैंड कनेक्शन का खर्च मासिक तौर पर 1059.64 रुपये था तो वह अब बढ़कर 1129.26 रुपये का हो गया है। देश में कुल 120 करोड़ मोबाइल उपभोक्ता हैं, जिनमें से करीब 12 प्रतिशत यानी 13 से 14 करोड़ से अधिक पोस्टपेड कनेक्शन का उपयोग करते हैं। दूरसंचार कंपनियां ब्रॉडबैंड (इंटरनेट) के साथ पोस्टपेड का आकर्षक प्लान देती हैं, जिसे लेना काफी लोगों के लिए फायदेमंद रहता है। खासकर नौकरीपेशा लोग और जिन घरों में इंटरनेट का उपयोग बहुत ज्यादा होती है, वो सभी ब्रॉडबैंड के साथ पोस्टपेड सिम भी खरीद लेते हैं।

रुपया 10 पैसे की तेजी के साथ 84.31 प्रति डॉलर पर बंद

एजेंसी । मुंबई

अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में सोमवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया 10 पैसे चढ़कर 84.31 प्रति डॉलर (अस्थायी) पर बंद हुआ। निवेशकों की जोखिम उठाने की क्षमता में सुधार के बीच घरेलू शेयर बाजारों में मजबूती के रुख से रुपए को समर्थन मिला। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने कहा कि वाशिंगटन में इजराइल के राजदूत के बयान के बाद निवेशकों की कारोबारी धारणा को बढ़ावा मिला। उन्होंने बयान में कहा कि हिजबुल्लाह के साथ संघर्ष विराम समझौता 'कुछ ही दिनों में' हो सकता है। ट्रंप द्वारा स्कॉट बेसेन्ट को अपना वित्तमंत्री नियुक्त करने के बाद अमेरिकी बॉन्ड में तेजी आई है। बेसेन्ट बजट को नियंत्रित रखने के पक्षधर हैं, इससे बान्ड प्रतिफल पर असर पड़ेगा जिससे भारतीय रुपए को समर्थन मिल सकता है।

पर्थ में भारत ने लहराया परचम

पहले टेस्ट में टीम इंडिया ने ऑस्ट्रेलिया को 295 रन से रौंदा

- 08 विकेट मैच में लेने वाले कप्तान बुमराह प्लेयर ऑफ द मैच चुने गए
- 89 रन ऑस्ट्रेलिया की दूसरी पारी में सर्वाधिक ट्रेविस हेड ने बनाए

एजेंसी । पर्थ

बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के पहले टेस्ट में टीम इंडिया की जीत की नींव तो मैच के तीसरे दिन ही पड़ गई थी। चौथे दिन सोमवार को मेहमान टीम ने कप्तान जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद सिराज की तूफानी गेंदबाजी से ऑस्ट्रेलिया पर 295 रन से रिकॉर्ड जीत दर्ज की। यह रन के हिसाब से कंगारुओं के घर में भारतीय टीम की सबसे बड़ी जीत है। इस सबसे बड़ी जीत दर्ज के साथ भारत ने पांच मैच की सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली। दूसरी टेस्ट 6 दिसंबर से एडिलेड में (दिन-रात्रि का) होगा।

रनों के लिहाज से सबसे बड़ी जीत

यह ऑस्ट्रेलिया में भारत की रनों के लिहाज से सबसे बड़ी जबकि एशिया के बाहर दूसरी सबसे बड़ी जीत है। भारत ने इससे पहले ऑस्ट्रेलिया को दिसंबर 1977 में मेलबर्न में 222 रन से हराया था। एशिया के बाहर भारत ने सबसे बड़ी जीत अगस्त 2019 में नॉर्थ साउंड में वेस्टइंडीज के खिलाफ 318 रन से दर्ज की थी।

सस्ते में ढेर मेजबान टीम

भारत के 534 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए ऑस्ट्रेलियाई टीम बुमराह (तीन विकेट) और मोहम्मद सिराज (तीन विकेट) की धारदार गेंदबाजी के सामने 58.4 ओवर में 238 रन पर ढेर हो गई। दोनों ने ऑस्ट्रेलिया के शीर्ष और मध्य क्रम को ध्वस्त किया जिसके बाद वाशिंगटन सुंदर (दो विकेट), नितीश कुमार रेड्डी (दो विकेट) और हर्षित राणा (एक विकेट) ने निचले क्रम को समेटा। राणा और रेड्डी ने इस मैच में पदार्पण किया। ऑस्ट्रेलिया के लिए शानदार फॉर्म में चल रहे ट्रेविस हेड ने सर्वाधिक 89 रन बनाए। उन्होंने स्टीव स्मिथ

स्मिथ फिर फ्लॉप

सिराज ने सुबह के सत्र में शानदार गेंदबाजी करते हुए सलामी बल्लेबाज उस्मान ख्वाजा (04) और खराब फॉर्म से जूझ रहे स्मिथ (17) को पवेलियन भेजा। ख्वाजा सिराज की गेंद पुल करने की कोशिश मे हवा में लहरा गए और विकेटकीपर ऋषभ पंत ने आसान कैच लपका। स्मिथ ने सिराज की अच्छी लेंथ से मूव होती गेंद पर विकेटकीपर पंत को कैच थमाया। हेड ने हालांकि टूटती हुई पिच पर शानदार बल्लेबाजी की और कमजोर गेंद पर कोई मौका नहीं गंवाया। उन्होंने सिर्फ 63 गेंद में अर्धशतक पूरा किया। बुमराह ने हेड को दूसरे सत्र में पंत के हाथों कैच कराके भारत को जीत के करीब पहुंचाया। मार्श भी रेड्डी की गेंद विकेटों पर खेलकर बोल्ड हो गए। सुंदर ने चाय से ठीक पहले मिचेल स्टार्क (12) को ध्रुव जुरेल के हाथों कैच कराया और चाय के बाद नाथन लियोन को बोल्ड किया।

रोहित ने 'गुलाबी गेंद से किया अभ्यास

एजेंसी । पर्थ

भारतीय कप्तान रोहित शर्मा पितृत्व अवकाश के बाद पर्थ पहुंचने पर तुरंत नेट पर अभ्यास करने पहुंच गए। रोहित रविवार शाम पर्थ पहुंचे। उन्हें सोमवार को लंच सत्र के दौरान नेट में बल्लेबाजी करते देखा गया जहां उन्होंने गुलाबी गेंद से रिजर्व तेज गेंदबाजों नवदीप सैनी, यश दयाल और मुकेश कुमार का सामना किया।

जडेजा ने भी गेंदबाजी की

6 दिसंबर से शुरू हो रहा दूसरा टेस्ट दिन-रात्रि का होगा जो गुलाबी गेंद से खेला जाएगा। स्पिनर रवींद्र जडेजा ने भी कुछ देर गेंदबाजी की। सत्र के दौरान उन्होंने नुवान सेनाविरत्ने की 'थ्रो डाउन पर पुल शॉट खेलने का प्रयास किया। रोहित लय में आने की कोशिश कर रहे हैं और नेट सत्र के दौरान उन्होंने कुछ शानदार शॉट खेले जबकि कुछ मौकों पर चूक गए। भारतीय टीम 30 नवंबर से शुरू होने वाले दो दिवसीय अभ्यास मैच के लिए बुधवार को कैनबरा जाएगी। हालांकि इस मैच को प्रथम श्रेणी का दर्जा प्राप्त नहीं है, फिर भी यह महत्वपूर्ण होगा क्योंकि यह गुलाबी गेंद से होने वाला दिन-रात्रि का मुकाबला है जो दूसरे टेस्ट की तैयारी के लिए अहम होगा।

सैयद मुश्ताक अली

भारत-दीपक ने राजस्थान को जीत दिलाई

राजकोट। भारत शर्मा (74) और दीपक हुड्डा (65) की शानदार बल्लेबाजी के दम पर राजस्थान ने सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में सोमवार को मिजोरम को 62 रन से पराजित किया। मिजोरम ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी राजस्थान ने भारत शर्मा और दीपक हुड्डा की शानदार बल्लेबाजी से 20 ओवर में छह विकेट पर 217 रनों का स्कोर खड़ा किया। मिजोरम की ओर से मोहित जांगड़ ने दो विकेट लिए। केसी करिअप्पा, नवीन गुरुंग, खियांग्ते वानरोतलिंगा और बॉबी जोथानसंगा ने एक-एक विकेट लिया। 218 रन के लक्ष्य के जवाब में बल्लेबाजी करने उतरी मिजोरम की टीम राजस्थान की सधी हुई गेंदबाजी के आगे 20 ओवर में पांच विकेट पर 155 रन ही बना सकी। मिजोरम की ओर अग्नि चोपड़ा ने (47), मोहित जांगड़ ने (नाबाद 41), जेहू एंडरसन (37) रनों की पारी खेली। राजस्थान की ओर से कमलेश नागरकोटी ने दो विकेट लिए। राहुल चाहर और दीपक हुड्डा ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

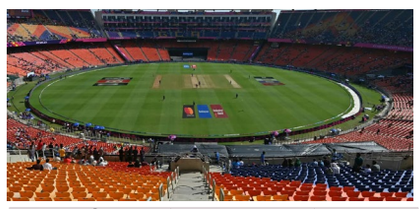

कर्नाटक ने त्रिपुरा को पांच विकेट से हराया

दूसरे मुकाबले में कर्नाटक ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी त्रिपुरा ने कप्तान मनदीप सिंह (66), सम्राट सूत्रधार (55) रनों की पारियों की बदौलत 20 ओवर में पांच विकेट पर 185 का स्कोर खड़ा किया। कर्नाटक की ओर से वासुकी कौशिक, वद्याधर पाटिल, श्रेयस गोपाल और मनोज भंडागे ने एक-एक विकेट लिया। 186 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए कर्नाटक के लिए आर स्मरण (57), कप्तान मयंक अग्रवाल (51) और अभिनव मनोहर (नाबाद 34) तथा शुभांग हेगड़े (नाबाद 20) की शानदार पारियों के दम पर 19.3 ओवर में पांच विकेट पर 191 रन बनाकर मुकाबला पांच विकेट से जीत लिया।

न्यूज ब्रीफ

सब जूनियर महिला राष्ट्रीय हॉकी चैंपियनशिप आज से

सिकंदराबाद। तेलंगाना में मंगलवार से शुरू हो रही सब जूनियर महिला राष्ट्रीय हॉकी चैंपियनशिप में देशभर की 28 टीमें स्पर्धा करेंगी। इन्हें आठ पूल में बांटा गया। चैंपियनशिप 6 दिसंबर तक चलेगी। क्वार्टर फाइनल 3 दिसंबर से शुरू होगा। सेमीफाइनल 5 दिसंबर को और उसके बाद तीसरे/चौथे स्थान के लिए मैच खेला जाएगा और छह दिसंबर को फाइनल होगा। टूर्नामेंट का उद्घाटन मैच घरेलू टीम तेलंगाना और झारखंड के बीच खेला जाएगा। हॉकी इंडिया के अध्यक्ष डॉ. दिलीप टिर्की ने कहा, यह चैंपियनशिप खिलाड़ियों के विकास और प्रतिस्पर्धी अनुभव प्राप्त करने के लिए एक बेहतरीन मंच है। युवा खिलाड़ियों को मैदान में उतरते और राष्ट्रीय स्तर पर अपने-अपने राज्यों का प्रतिनिधित्व करते हुए देखकर उत्साहित हूं।

इटली ने लगातार दूसरा डेविस कप खिताब जीता

मलागा (स्पेन)। इटली ने डेविस कप खिताब के लिए लगभग 25 साल इंतजार किया लेकिन यानिक सिनेर की मौजूदगी में रविवार को टीम ने इस प्रतिष्ठित टेनिस पुरुष टीम प्रतियोगिता का लगातार दूसरा खिताब जीत लिया। दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी सिनेर ने टेलोन ग्रीक्सपूअर को 7-6, 6-2 से हराकर इटली को नीदरलैंड्स पर 2-0 की जीत दिलाई और अपने शानदार सत्र का अंत जीत के साथ किया। उससे पहले माटियो बेरेटिनी ने बोटिक वेन डि जेंडस्कल्प को 6-4, 6-2 से हराकर इटली को 1-0 की बढ़त दिलाई थी। लगभग 9,200 प्रशंसकों की मौजूदगी में इटली की टीम 2012 और 2013 में चेक गणराज्य के बाद लगातार दो बार डेविस कप जीतने वाली पहली टीम बन गई।

जायसवाल ने अपनी सर्वश्रेष्ठ टेस्ट पारी खेली : बुमराह

पर्थ। भारत के कार्यवाहक कप्तान जसप्रीत बुमराह ने पर्थ में पहले टेस्ट में सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल की शतकीय पारी को उनकी अब तक की सर्वश्रेष्ठ पारी करार दिया है। यशस्वी ने दूसरी पारी में 161 रन बनाए थे। वह पहली पारी में खाता खोलने में नाकाम रहे लेकिन दूसरी पारी में उन्होंने 297 गेंद में 15 चौके और तीन छक्के जड़े। बुमराह ने भारत की ऐतिहासिक जीत के बाद कहा, यह जायसवाल की अब तक की सर्वश्रेष्ठ टेस्ट पारी थी। वह आक्रमण करना पसंद करते है लेकिन उन्होंने गेंद को अच्छे से छोड़ा। उन्होंने काफी गेंदें छोड़ीं।विराट कोहली के नाबाद 100 रन के बारे में बुमराह ने कहा, मुझे नहीं लगता कि विराट कभी लय से दूर हुए थे। बल्लेबाजी के लिए मुश्किल पिचों पर इसका आकलन करना कठिन है। वह नेट सत्र में लगातार अच्छा कर रहे थे।

अभिषेक बच्चन ने ऐश्वर्या राय को कहा धन्यवाद

अभिनेता अभिषेक बच्चन और अभिनेत्री ऐश्वर्या राय इन दिनों अपनी निजी जिंदगी को लेकर चर्चा में हैं। पिछले काफी समय से दोनों के अलग होने की खबरों से बॉलीवुड का बाजार गर्म है। लगातार यह कयास लगाए जा रहे हैं कि ऐश्वर्या और अभिषेक के बीच सबकुछ ठीक नहीं चल रहा है। अब ऐश्वर्या से तलाक की खबरों के बीच अभिषेक ने हाल ही में अपनी पत्नी का शुक्रिया अदा किया है। एक इंटरव्यू में अभिषेक ने कहा, ₹अपने घर पर मैं खुद को बहुत भाग्यशाली मानता हूं, क्योंकि मुझे बाहर निकलकर फिल्मों में काम करने का मौका मिला। मुझे पता है कि ऐश्वर्या हमारी बेटी आराध्या के साथ घर पर हैं और इसके लिए मैं उनका शुक्रगुजार हूं। हालांकि, मुझे लगता है कि बच्चे ऐसा नहीं सोचते। वो हमें समझते हैं। अपने बचपन में मुझे कभी नहीं लगा कि मेरे माता-पिता मेरे आस पास नहीं हैं।

राम गोपाल वर्मा होंगे गिरफ्तार

'सत्या' और 'रंगीला' जैसी सुपरहिट फिल्में बना चुके फिल्म निर्माता राम गोपाल वर्मा से जुड़ी बड़ी खबर सामने आ रही है। दरअसल, निर्माता मुसीबत में फंस गए हैं। आंध्र प्रदेश पुलिस की एक टीम हैदराबाद में स्थित वर्मा के घर पहुंची है। कहा जा रहा है कि निर्माता को हिरासत में लिया जा सकता है। दरअसल, वर्मा ने आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू और उनके परिवार के सदस्यों के खिलाफ सोशल मीडिया पर अपमानजनक बातें कही थीं।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, पुलिस की टीम जब वर्मा के घर पहुंची तो वह घर पर नहीं थे और कोयंबटूर के लिए रवाना हो चुके थे। बता दें कि पिछले सप्ताह पुलिस ने मुख्यमंत्री के खिलाफ आपत्तिजनक बयान देने वाले मामले में पूछताछ के लिए वर्मा को बुलाया था, लेकिन उन्होंने पुलिस के सामने पेश होने के लिए 4 दिन का समय मांगा था। खबर है कि इस मामले में वर्मा को गिरफ्तार भी किया जा सकता है।

क्या है मामला?

वर्मा पर आरोप हैं कि उन्होंने नायडू, उपमुख्यमंत्री पवन कल्याण, सूचना और प्रौद्योगिकी मंत्री नारा लोकेश के खिलाफ सोशल मीडिया पर अपमानजनक पोस्ट साझा किया था। पुलिस ने 11 नवंबर को तेलुगू देशम पार्टी के नेता रामलिंगम की शिकायत पर निर्माता के खिलाफ मामला दर्ज किया था। शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया कि वर्मा ने पिछले साल अपनी फिल्म 'व्यूहम' के प्रमोशन के दौरान नायडू, उनके बेटे नारा लोकेश और पवन कल्याण के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी भी की थी।

25 अप्रैल को आएगी 'कन्नप्पा'

बॉलीवुड अभिनेता अक्षय कुमार को इन दिनों अजय देवगन की फिल्म 'सिंघम अगेन' में देखा जा रहा है, जिसमें वह जबरदस्त एक्शन करते नजर आ रहे हैं। इस फिल्म में उनका कैमियो है। पिछले लंबे समय से अक्षय अपनी पहली तेलुगु फिल्म 'कन्नप्पा' को लेकर सुर्खियां बटोर रहे हैं। खास बात यह है कि इस फिल्म के जरिए वह दक्षिण भारतीय सिनेमा में कदम रखने जा रहे हैं। अब 'कन्नप्पा' की रिलीज तारीख से पर्दा उठ गया है। 'कन्नप्पा' को 25 अप्रैल, 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज किया जाएगा। यह पैन-इंडिया फिल्म है, जिसे आप तेलुगु के साथ हिंदी भाषा में भी देख पाएंगे। इस फिल्म में विष्णु मंचू मुख्य भूमिका में नजर आएंगे। प्रभास, मोहनलाल, प्रभुदेवा और आर सरथ कुमार भी फिल्म का हिस्सा हैं। मुकेश कुमार सिंह के निर्देशन में बन रही इस फिल्म की कहानी छठीं और आठवीं शताब्दी के दौरान भगवान शिव के एक प्रबल भक्त के इर्द-गिर्द घूमेगी। मोहन बाबू इसके निर्माता हैं।

हंसल मेहता ने की शाहरुख की तारीफ

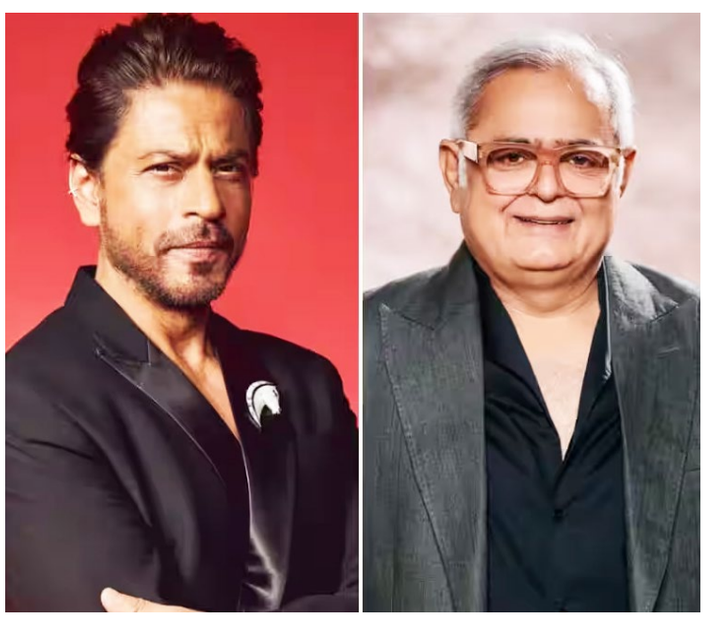

बॉलीवुड फिल्म निर्देशक हंसल मेहता ने हाल में ही सुपरस्टार शाहरुख खान को लेकर एक बयान दिया है। इसमें उन्होंने अपने और अपनी बेटी के अनुसार शाहरुख के सबसे बेहतरीन अभिनय का जिक्र किया है। उन्होंने किंग अभिनेता की फिल्म स्वेदश में शाहरुख के काम को घमंड से परे शानदार अभिनय करार दिया है। हंसल मेहता ने अपने एक्स अकाउंट पर शाहरुख की एक तस्वीर साझा की। इसके कैप्शन में उन्होंने लिखा, क्या हम शाहरुख को फिर कभी घमंड से परे इस तरह का प्रदर्शक करते हुए देख पाएंगे? उन्होंने शाहरुख के अभिनय की तारीफ करते हुए कहा कि यह उनके अनुसार शाहरुख की सबसे आकर्षक, समय से परे और अप्रभावित फिल्मों में से एक है और उनकी बेटी भी उनके इस बात से सहमत हैं।

DBD दो बजे दोपहर
पत्रकारिता पावर नहीं रिस्पांसिबिलिटी है

सुप्रीम फैसले

मतदाता सूची में गड़बड़ी के दावे वाली याचिका खारिज

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को उस जनहित याचिका पर सुनवाई से इनकार कर दिया, जिसमें मतदाता सूची में कथित गड़बड़ी को दूर करने के लिए चुनाव आयोग और राज्य चुनाव निकायों को निर्देश देने की मांग की गई थी। मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना और न्यायमूर्ति संजय कुमार की पीठ ने कहा कि सर्वोच्च न्यायालय सभी अधिकारियों को एकसमान निर्देश जारी नहीं कर सकता। हालांकि, पीठ ने याचिकाकर्ता राष्ट्रवादी आदर्श महासंघ को अपनी शिकायतों के साथ उच्च न्यायालयों में जाने की अनुमति दी। जनहित याचिका में मतदाता प्रविष्टियों के दोहराव के ₹खतरे₹ को उजागर किया गया और आरोप लगाया गया कि इससे भारत में चुनावों की पवित्रता को नुकसान पहुंचता है।

सुरेंद्र गाडलिंग की जमानत याचिका पर सुनवाई टली

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को साल 2016 के सुरजागढ़ लौह अयस्क खदान आगजनी मामले में सुरेंद्र गाडलिंग की जमानत याचिका पर सुनवाई 4 दिसंबर तक के लिए टाल दी। दरअसल महाराष्ट्र सरकार ने इस मामले में जवाब दाखिल करने के लिए और समय देने की मांग की। जिसके बाद न्यायमूर्ति अरविंद कुमार और न्यायमूर्ति एम एम सुंदरेश की पीठ ने सुनवाई को स्थगित कर दिया। इससे पहले सुप्रीम कोर्ट ने 10 अक्तूबर को इस मामले में नोटिस जारी कर राज्य सरकार से जवाब मांगा था। सुरेंद्र गाडलिंग की जमानत याचिका बॉम्बे हाईकोर्ट से खारिज हो चुकी है और अब सुप्रीम कोर्ट इस पर सुनवाई कर रहा है।

झांसी मेडिकल कॉलेज अग्निकांड की समयबद्ध जांच की मांग

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट के वकील अमित द्विवेदी ने देश के मुख्य न्यायाधीश को एक चिट्ठी लिखकर झांसी मेडिकल कॉलेज अग्निकांड की उच्च स्तरीय जांच की मांग की है। झांसी मेडिकल कॉलेज के नवजात बच्चों के वार्ड एनआईसीयू में लगी आग में 17 मासूमों की मौत हो गई थी। मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना को लिखी चिट्ठी में वकील द्विवेदी ने सुप्रीम कोर्ट के रिटायर्ड जज की अध्यक्षता में एक समिति से तय समय में जांच कराने की मांग की। झांसी के महारानी लक्ष्मी बाई मेडिकल कॉलेज में बीती 15 नवंबर को आग लग गई थी, जिसमें 17 नवजातों की मौत हो गई थी। 10 नवजात घटना के समय ही काल के गाल में समा गए थे, जबकि सात अन्य की इलाज के दौरान मौत हो गई थी।

चामुंडेश्वरी मंदिर के लिए सोने का रथ बनेगा, 100 करोड़ का खर्च

मैसुरु। सीएम सिद्धारमैया ने राज्य के हिंदू धार्मिक बंदोबस्ती विभाग को देवी चामुंडेश्वरी के लिए सोने का रथ बनाने का प्रस्ताव तैयार करने का निर्देश दिया। इसकी लागत 100 करोड़ रुपए बताई गई है। सूत्रों के मुताबिक ये फैसला MLC दिनेश गुलीगौड़ा के अनुरोध पर किया गया। गुलीगौड़ा ने प्रस्तावित सोने के रथ को अगले साल दशहरे तक पूरा करने की बात कही, जिससे रथ को देवी चामुंडेश्वरी के जुलूस में शामिल किया जा सके। उन्होंने कहा कि वर्तमान में मौजूद लकड़ी का रथ खराब हो चुका है।

संविधान से नहीं हटेंगे 'समाजवादी' व पंथनिरपेक्ष' शब्द

सुप्रीम कोर्ट ने याचिकाओं को किया खारिज

एजेंसी । नई दिल्ली

संविधान की प्रस्तावना से 'धर्मनिरपेक्ष' और 'समाजवादी' शब्द हटाने वाली याचिका को आज सर्वोच्च न्यायालय (SC) ने खारिज कर दिया। मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना और न्यायमूर्ति संजय कुमार की पीठ ने याचिकाओं पर सुनवाई की। सुप्रीम कोर्ट की पीठ ने कहा कि भारतीय अर्थ में समाजवादी होने का अर्थ केवल कल्याणकारी राज्य से है।

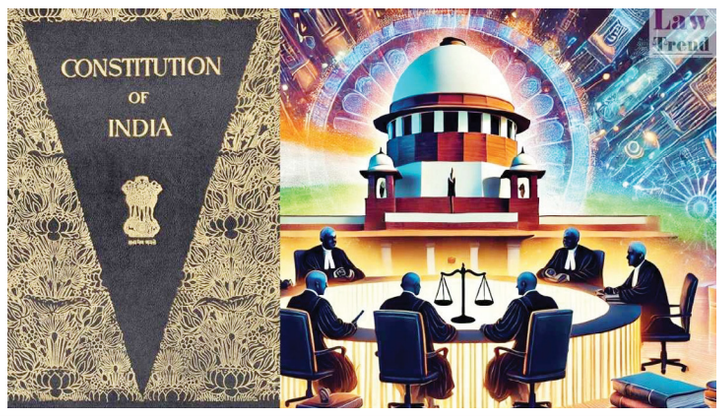

सुप्रीम कोर्ट ने खारिज की याचिका

भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) संजीव खन्ना और न्यायमूर्ति पीवी संजय कुमार की पीठ ने इस मामले में कहा कि संसद की संशोधन शक्ति प्रस्तावना तक भी फैली हुई है। कोर्ट ने साफ शब्दों में कहा कि प्रस्तावना को अपनाने की तारीख संसद की प्रस्तावना में संशोधन करने की शक्ति को सीमित नहीं करती है। इसी को आधार मानते हुए कोर्ट ने याचिकाकर्ता के तर्क को खारिज कर दिया। सीजेआई ने इस मामले में कहा कि जब इतने साल बीत गए फिर इस मामले को क्यों तूल देने की कोशिश की जा रही है।

याचिकाकर्ताओं ने दिया था ये तर्क

बता दें कि सुप्रीम कोर्ट में इससे जुड़ी याचिकाएं पूर्व भाजपा सांसद सुब्रमण्यम स्वामी, सामाजिक कार्यकर्ता बलराम सिंह और अधिवक्ता अश्विनी उपाध्याय ने दायर की थीं। याचिकाकर्ताओं ने तर्क दिया था कि 42वें संशोधन ने संविधान निर्माताओं की मूल दृष्टि को विकृत कर दिया। याचिकाकर्ताओं ने यह भी तर्क दिया था कि संविधान निर्माताओं ने संविधान सभा की बहसों के दौरान जानबूझकर 'समाजवादी' और 'धर्मनिरपेक्ष' शब्दों को बाहर रखा था। सबसे खास है कि याचिकाकर्ताओं ने साल 1976 की संसद की वैधता पर भी सवाल उठाया था। जो आपातकाल के दौरान और विस्तारित कार्यकाल के तहत संचालित हुई थी। सामाजिक कार्यकर्ता बलराम सिंह का प्रतिनिधित्व करने वाले वकील विष्णु शंकर जैन ने तर्क दिया कि लोकसभा का कार्यकाल आपातकालीन आवश्यकताओं को संबोधित करने के लिए बढ़ाया गया था, न कि संविधान में संशोधन करने के लिए। सार्वजनिक परामर्श के बिना इन शब्दों को जोड़ने से संविधान निर्माताओं की मूल मंशा विकृत हो गई।

वैष्णो देवी रोपवे प्रोजेक्ट के खिलाफ हिंसक प्रदर्शन

दुकानदार-पालकीवाले बोले- प्रोजेक्ट से रोजी रोटी छिन जाएगी

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के कटरा में वैष्णो देवी रोपवे प्रोजेक्ट के खिलाफ खच्चर और पालकीवालों ने विरोध शुरू कर दिया है। पुलिस ने सोमवार को प्रदर्शनकारियों को रोकने की कोशिश की तो भीड़ ने पत्थरबाजी शुरू कर दी। हिंसक प्रदर्शन में कुछ लोगों के घायल होने की खबर है।

क्यों हो रहा है विरोध ?

वैष्णों देवी श्राइन बोर्ड कटरा में ताराकोट मार्ग और सांझी छत के बीच 12 किलोमीटर के मार्ग पर 250 करोड़ रुपए की लागत से रोपवे प्रोजेक्ट का निर्माण करवा रहा है। वैष्णो देवी आने वाले श्रद्धालुओं को खच्चर और पालकीवाले मंदिर दर्शन कराने ले जाते हैं। ये उनके कमाई का जरिया है। इसलिए वे इसका विरोध कर रहे हैं। रियासी के SSP परमवीर सिंह ने बताया, 'लोग पिछले तीन दिनों से यहां विरोध कर रहे हैं और हम स्थिति को संभाल रहे हैं। आज उनमें से कुछ ने पुलिस टीम पर पथराव किया। हम स्थिति को संभालने की कोशिश कर रहे हैं और उम्मीद है कि जल्द ही सामान्य स्थिति बहाल हो जाएगी।'

तेलंगाना ने अडाणी का ₹100 करोड़ डोनेशन ठुकराया

यंग इंडिया स्किल यूनिवर्सिटी के लिए ऑफर किया था, CM बोले- इससे छवि को नुकसान होता

एजेंसी । हैदराबाद

तेलंगाना सरकार ने अडाणी ग्रुप के 100 करोड़ रुपए डोनेशन का ऑफर ठुकरा दिया है। यह डोनेशन यंग इंडिया स्किल यूनिवर्सिटी के लिए दिया जा रहा था। सोमवार को यह जानकारी मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस करके दी। रेड्डी ने कहा- अडाणी ग्रुप के मौजूदा विवाद की वजह से फैसला लिया गया है। डोनेशन लेने से राज्य सरकार और मेरी खुद की छवि को नुकसान पहुंच सकता है। सरकार की ओर से रविवार को ही अडाणी ग्रुप को एक चिट्ठी भेज दी गई है। उसमें अडाणी ग्रुप से यूनिवर्सिटी के लिए 100 करोड़ रुपए ट्रांसफर न करने का अनुरोध किया गया है। कई कंपनियों ने यूनिवर्सिटी को फंड दिया है, लेकिन तेलंगाना सरकार ने अब-तक किसी भी ग्रुप से अपने खाते में एक भी रुपया नहीं लिया है।

अडाणी पर धोखाधड़ी के आरोप, दावा- कॉन्ट्रैक्ट के लिए 2200 करोड़ रिश्वत ऑफर की

उद्योगपति गौतम अडाणी समेत 8 लोगों पर अमेरिका के न्यूयॉर्क में अरबों रुपए की धोखाधड़ी के आरोप लगे हैं। न्यूयॉर्क की फेडरल कोर्ट में 20 नवंबर को सुनवाई में गौतम अडाणी, उनके भतीजे सागर अडाणी, विनीत जैन, रंजीत गुप्ता, साइरिल कैबेनिस, सौरभ अग्रवाल, दीपक मल्होत्रा और रूपेश अग्रवाल को आरोपी बनाया गया था। रिपोर्ट के मुताबिक, गौतम अडाणी और सागर के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट भी जारी किया गया है। यूनाइटेड स्टेट्स अटॉर्नी ऑफिस का कहना था कि अडाणी ने भारत में सोलर एनर्जी से जुड़े कॉन्ट्रैक्ट हासिल करने के लिए भारतीय अधिकारियों को 265 मिलियन डॉलर (करीब 2200 करोड़ रुपए) की रिश्वत दी या देने की योजना बना रहे थे। पूरा मामला अडाणी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड और एक अन्य फर्म से जुड़ा है। अडाणी ग्रुप ने सभी आरोपों को निराधार बताया है।

'बेअंत हत्याकांड के दोषी की दया याचिका संवेदनशील मामला'

केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में दिया जवाब

एजेंसी । नई दिल्ली

केंद्र ने सोमवार को सुप्रीम कोर्ट से कहा कि 1995 में हुई पंजाब के तत्कालीन मुख्यमंत्री बेअंत सिंह की हत्या के मामले में मौत की सजा का सामना कर रहे बलवंत सिंह राजोआणा की दया याचिका से संबंधित मामला संवेदनशील है। गौरतलब है कि जस्टिस बीआर गवई की अगुवाई वाली तीन सदस्यी पीठ राजोआणा की उस याचिका पर सुनवाई कर रही है, जिसमें उसकी दया याचिका पर निर्णय में अत्यधिक देरी के कारण उसकी मौत की सजा को आजीवन कारावास में बदलने का निर्देश दिए जाने की मांग की गई है।

एजेंसियों से परामर्श करना होगा: केंद्र

सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने पीठ से कहा, 'यह संवेदनशील मामला है। कुछ एजेंसियों से परामर्श करना होगा।' अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल (एएसजी) केएम नटराज ने कहा कि सरकार इस मामले की समीक्षा कर रही है। उन्होंने कहा कि चूंकि यह संवेदनशील मामला है, इसलिए इसमें कुछ और जानकारी एकत्र करने की आवश्यकता है।

कोर्ट चार सप्ताह बाद फिर करेगा सुनवाई

पीठ ने कहा कि वह चार सप्ताह बाद याचिका पर सुनवाई करेगी। शीर्ष कोर्ट ने 18 नवंबर को याचिका पर सुनवाई करते हुए अपने उस आदेश पर रोक लगा दी थी, जिसके तहत राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु के सचिव को निर्देश दिया गया था कि वह राजोआणा की दया याचिका को राष्ट्रपति के समक्ष रखें। पीठ ने 18 नवंबर की सुबह यह आदेश दिया था, लेकिन सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने पीठ से आग्रह किया था कि इस आदेश पर अमल नहीं किया जाना चाहिए, क्योंकि यह बेहद संवेदनशील मुद्दा है।

गृह मंत्रालय के पास है फाइल

मेहता ने पीठ को बताया था कि फाइल अभी गृह मंत्रालय के पास है, राष्ट्रपति के पास नहीं। राजोआना को 31 अगस्त 1995 को चंडीगढ़ में पंजाब सिविल सचिवालय के बाहर हुए विस्फोट मामले में दोषी पाया गया था। इस घटना में तत्कालीन मुख्यमंत्री बेअंत सिंह समेत 17 लोग मारे गए थे। जुलाई 2007 में विशेष अदालत ने राजोआणा को मौत की सजा सुनाई थी। सुप्रीम कोर्ट ने पिछले साल तीन मई को राजोआणा को सुनाई गई मौत की सजा को उम्रकैद में बदलने से इन्कार कर दिया था। शीर्ष अदालत ने कहा था कि सक्षम प्राधिकारी उसकी दया याचिका पर विचार कर सकते हैं।

दिल्ली भाजपा घोषणापत्र समिति की बैठक पूर्व मंत्री कैलाश गहलोत भी शामिल हुए

एजेंसी । नई दिल्ली

दिल्ली विधानसभा चुनाव के मद्देनजर सोमवार को दिल्ली भाजपा घोषणापत्र समिति की बैठक हुई। इसकी अध्यक्षता दक्षिण दिल्ली सांसद रामवीर सिंह बिधूड़ी ने की। हाल ही में आम आदमी पार्टी छोड़कर भाजपा में आए दिल्ली के पूर्व परिवहन मंत्री कैलाश गहलोत भी बैठक में शामिल हुए। दिल्ली विधानसभा का कार्यकाल 23 फरवरी, 2025 को खत्म हो रहा है। इलेक्शन कमीशन सदन का कार्यकाल खत्म होने से पहले चुनाव की प्रक्रिया पूरी कराता है।

2021 से देश में 71 बाघों की अप्राकृतिक कारणों से हुई मौत

लोकसभा में पर्यावरण मंत्रालय ने दी जानकारी

एजेंसी । नई दिल्ली

पर्यावरण मंत्रालय ने सोमवार को बताया कि 2021 से अब तक देश में 71 बाघों की मौत अप्राकृतिक कारणों से हुई है, जिसमें अवैध शिकार आदि भी शामिल हैं। लोकसभा में एक प्रश्न के उत्तर में पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन राज्य मंत्री कीर्ति वर्धन सिंह ने बताया कि 2021 से अब तक मध्य प्रदेश में सबसे अधिक 20 बाघों की मौत हुई है, उसके बाद महाराष्ट्र (15) और कर्नाटक (4) का स्थान है।

2023 में 25 बाघों की मौत की सूचना मिली

2021 में 20 बाघों की मौत की सूचना मिली, जबकि 2022 में 25 बाघों की मौत हुई। आंकड़ों के अनुसार, 2023 में 25 बाघों की मौत की सूचना मिली, जबकि इस साल अब तक अप्राकृतिक कारणों से एक बाघ की मौत की पुष्टि हुई है। सिंह ने बताया कि देश में बाघों की आबादी 6 प्रतिशत प्रति वर्ष की दर से बढ़ रही है। सिंह ने अपने लिखित जवाब में कहा कि 2022 में किए गए अखिल भारतीय बाघ अनुमान के अनुसार बाघों की आबादी में वृद्धि हुई है, जिसकी अनुमानित संख्या 3,682 (रेंज 3,167-3,925) है, जबकि 2018 में यह 2,967 (रेंज 2,603-3,346) और 2014 में 2,226 (रेंज 1,945-2,491) थी।

कश्मीर से बारामूला सांसद इंजीनियर राशिद ने विंटर सेशन के लिए जमानत मांगी

एजेंसी । श्रीनगर

जम्मू-कश्मीर के सांसद इंजीनियर राशिद ने संसद सत्र में भाग लेने के लिए सोमवार को अंतरिम जमानत की मांग करते हुए दिल्ली की एक अदालत में याचिका दाखिल की। इस पर डिस्ट्रिक्ट एंड सेशन जज विमल कुमार यादव ने जांच एजेंसी NIA से 27 नवंबर तक जवाब मांगा। है। तिहाड़ जेल से वर्चुअली पेशी के दौरान राशिद ने कहा- लोगों ने मुझे चुना है। मुझे पिछले सत्र में शामिल नहीं होने दिया गया। मैं आपसे हाथ जोड़कर विनती करता हूं कि मुझे अंतरिम जमानत दी जाए। राशिद बारामूला से सांसद हैं। उन्होंने 2024 लोकसभा चुनाव में उमर अब्दुल्ला को हराया था। राशिद पर टेरर फंडिंग का केस चल रहा है।

चिंताजनक

तेजी से बढ़े बाल यौन शोषण के मामले, केरल राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग की रिपोर्ट में खुलासा

स्कूल और घर में भी सुरक्षित नहीं हैं बच्चे

एजेंसी । नई दिल्ली

देश में इन दिनों बाल शोषण के मामले में लगातार बढ़ रहे हैं। इनमें सबसे ज्यादा मामले केरल से हैं, केरल में तेजी से बाल शोषण के मामले बढ़ रहे हैं। बाल अधिकार पैनल की रिपोर्ट में इसका खुलासा हुआ है। केरल में बच्चों के साथ यौन शोषण की घटनाएं बढ़ती जा रही हैं, जिससे वे स्कूलों और घरों में भी असुरक्षित हो गए हैं। हाल ही में केरल राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग की तरफ से जारी एक रिपोर्ट के अनुसार, ऐसे 21 प्रतिशत मामले बच्चों के घरों में और चार प्रतिशत स्कूलों में दर्ज किए गए। इस वजह से राज्य के बाल अधिकार पैनल को माता-पिता, शिक्षकों और पुलिस अधिकारियों के बीच बाल दुर्व्यवहार के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए प्रेरित किया गया है।

केरल में कुल 4663 POCSO मामले दर्ज

रिपोर्ट में कहा गया है कि हालांकि, 791 (17 प्रतिशत) मामलों में अपराध के बारे में जानकारी उपलब्ध नहीं थी।2023 में, पूरे केरल में कुल 4663 POCSO मामले दर्ज किए गए। रिपोर्ट में कहा गया है कि पुलिस आंकड़ों के मुताबिक, तिरुवनंतपुरम जिले में सबसे ज्यादा मामले दर्ज किए गए, जबकि पथानामथिट्टा जिले में सबसे कम मामले दर्ज किए गए। आंकड़ों के अनुसार, मामले बढ़ रहे हैं क्योंकि 2021 में 3,322 मामले और 2022 में 4,583 मामले सामने आए। 2019 में 3,616 मामले और 2020 में 3030 मामले सामने आए।

उपद्रवियों को गोली मारने का आदेश

इसके साथ ही आधा दर्जन से अधिक प्रशासन, स्थानीय लोगों के वाहनों को तोड़कर क्षतिग्रस्त कर दिया। हालात बिगड़ता देख मस्जिद से उपद्रवियों को गोली मारने का आदेश देना पड़ा। इसके बाद उपद्रवियों ने भी फायरिंग शुरू कर दी। जवा

दिल्ली में 80 हजार और बुजुर्गों को मिलगा पेंशन

एजेंसी । चेन्नई

दिल्ली में विधानसभा चुनाव से पहले AAP सरकार ने बुजुर्गों की पेंशन स्कीम को दोबारा शुरू करने का ऐलान किया। स्कीम में 80 हजार नए बुजुर्गों को और जोड़ा गया है। पहले 4.50 लोगों को इस स्कीम का फायदा मिलता था। अब पांच लाख से ज्यादा बुजुर्ग इस स्कीम के दायरे में आएंगे।

5 लाख लोगों को हर महीने 2500 तक मिलेंगे, चुनाव से पहले AAP सरकार का ऐलान

बुजुर्गों को हर महीने 2000 रुपए दिए जाएंगे

60 से 69 साल तक के बुजुर्गों को हर महीने 2000 रुपए दिए जाएंगे। वहीं 70 साल से ऊपर के बुजुर्गों को 2500 रुपए महीना मिलेगा। स्कीम का ऐलान करते हुए दिल्ली के पूर्व CM अरविंद केजरीवाल ने कहा, बुजुर्गों के आशीर्वाद से वह जेल से बाहर आए थे। यह स्कीम उनको शुक्रिया अदा करने के लिए है।